मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शुक्रवार, 13 फरवरी 2026

संवत 2082, फाल्गुन कृष्ण 12 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 153, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 महाकाल देवता ही नहीं वैज्ञानिक तथ्य भी

सुनिल थापा के निधन पर बोली प्रियंका चोपड़ा 6

हजारीबाग में हाथियों का तांडव

गहरी नींद में सो रहे मासूम समेत छह लोगों को बुरी तरह कुचला

- ✔ मरने वालों में एक ही परिवार के चार लोग शामिल
- ✔ गेट तोड़कर घर में घुसा हाथियों का झुंड

संवाददाता

हजारीबागः जिले में गुरुवार देर रात एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आई। हाथियों के झुंड ने गांव में घुसकर छह लोगों को कुचल दिया, जिनमें एक साल का मासूम बच्चा भी शामिल है। इस हादसे के बाद पूरे इलाके में दहशत और गहरा शोक का माहौल है। गांव में घुसा हाथियों का झुंडः जानकारी के अनुसार, घटना अंगो थाना क्षेत्र और चुरचू प्रखंड के गोंदवार गांव की है। रात करीब एक से डेढ़ बजे के बीच पांच हाथियों का झुंड अचानक गांव में घुस आया। उस समय सभी लोग अपने घरों में सो रहे थे। बताया जा रहा है कि हाथियों ने एक घर का गेट तोड़ दिया और अंदर घुसकर सो रहे लोगों को कुचल डाला। इस हमले में सुमन कुमारी (26), धनेश्वर राम (52), सूरज राम (50), सविता देवी (25), अनुराग राम (1) और संजना कुमारी (3) की मौके पर ही मौत हो गई। गांव में मातम और आक्रोशः घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों का कहना है कि हाथियों का झुंड पिछले करीब एक महीने से इलाके में घूम रहा था। वन विभाग की ओर से अलर्ट भी जारी किए गए थे, लेकिन इतनी बड़ी घटना को रोका नहीं जा सका। पूर्वी वन प्रमंडल के डीएफओ विकास कुमार उज्ज्वल ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि वन विभाग पीड़ित परिवारों के साथ है और नियम के अनुसार मुआवजा दिया जाएगा।

वन विभाग के पदाधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं और लोगों से अपील की है कि धैर्य बनाकर रखें तथा जंगली क्षेत्र में कोई भी व्यक्ति न जाए।

मरने वालों में एक ही परिवार के चार लोगः हजारीबाग के चुरचू प्रखंड के गोंदवार गांव में बीती रात हाथियों ने 6 लोगों को अपना निशाना बनाया है। बताया जाता है कि पांच हाथियों ने रात में एक घर पर हमला कर दिया जहां पूरा परिवार सोया हुआ था। घर पर सो रहे सभी लोगों की मौत घटनास्थल पर हो गई है।

सीआईएसएफ कॉलोनी में महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

रामगढ़ः जिले के पतरातु स्थित सीआईएसएफ कॉलोनी में एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और आत्महत्या के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

कमरे में फंदे से झूल रही थी महिला : जिले के पतरातु स्थित सीआईएसएफ कॉलोनी में एक महिला द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, घटना की सूचना मृतका के पति और स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से महिला को फंदे से उतारकर तुरंत पीवीयूएनएल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जा रहा है कि मृतका के पति अमर सिंह सीआरएफ में कार्यरत हैं। घटना के समय वे ड्यूटी पर थे। रात में जब वे घर लौटे तो काफी देर तक दरवाजा खटखटाने के बाद भी अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। शक होने पर उन्होंने पड़ोसियों को बुलाया। इसके बाद दरवाजा तोड़ा गया। अंदर जाकर देखा गया कि महिला कमरे में फंदे से झूल रही थी। यह दृश्य देखकर सभी लोग स्तब्ध रह गए। घटना के बाद कॉलोनी में मातम का माहौल है। पुलिस की पूछताछ में पड़ोसियों ने बताया कि महिला स्वभाव से सरल और शांत थी। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस पारिवारिक और अन्य सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत का बड़ा फैसला

रूस से खरीदेगा 10 हजार करोड़ की 288 एस-400 मिसाइलें

एजेंसी

नई दिल्ली : भारत अपनी हवाई सुरक्षा को अभेद्य बनाने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाने जा रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की बैठक में रूस से 288 नई र-400 मिसाइलों की खरीद को मंजूरी दे दी गई है। इस सौदे की अनुमानित लागत करीब 10,000 करोड़ रुपये बताई जा रही है। यह निर्णय मई 2025 में हुए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इस्तेमाल की गई मिसाइलों के स्टॉक को फिर से भरने और देश की एयर डिफेंस क्षमताओं को और मजबूत करने के लिए लिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, इस खरीद में 120 छोटी दूरी वाली और 168 लंबी दूरी वाली मिसाइलें शामिल होंगी, जिन्हें फास्ट ट्रैक प्रक्रिया के तहत खरीदा जाएगा।

पाकिस्तान की सीमाओं पर दिखा था एस-400 का खौफः मई 2025 में हुए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना ने एस -400 सिस्टम का जिस आक्रामकता से इस्तेमाल किया था, उसने पड़ोसी मुल्क के होश उड़ा दिए थे। इस ऑपरेशन के दौरान भारतीय मिसाइलों ने पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों, अर्ली वॉर्निंग एयरक्राफ्ट और सशस्त्र ड्रोन को मार गिराया था। रक्षा सूत्रों के मुताबिक, जब भारत ने र-400 का इस्तेमाल कर-के पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में 314 किलोमीटर की दूरी पर एक बड़े विमान को ढेर किया, तो पाकिस्तान में हड़कंप मच गया था। डर का आलम यह था कि पाकिस्तान ने अपने लगभग सभी ऑपरेशनल विमानों को भारत सीमा से हटाकर अफगानिस्तान और ईरान के पास वाले हवाई अड्डों पर भेज दिया था। अदमपुर और भुज सेक्टर में तैनात एस-400 की वजह से ही 9 और 10 मई को पाकिस्तानी वायुसेना ने उड़ान भरने की हिम्मत तक नहीं जुटाई थी।

जून और नवंबर में मिलेंगी और सिस्टमः नई खरीद के अलावा, भारत को रूस के साथ पहले से हुए समझौते के तहत दो और र-400 सिस्टम इसी साल जून और नवंबर में मिलने वाले हैं। इसके साथ ही वायुसेना ने र-400 की सुरक्षा और छोटी दूरी के खतरों से निपटने के लिए रशियन पैंटसिर सिस्टम खरीदने का भी प्रस्ताव रखा है। यह सिस्टम ड्रोन और कामिकेज (आत्मघाती) ड्रोन हमलों को रोकने में बेहद कारगर माना जाता है। राफेल समेत 3.60 लाख करोड़ के प्रस्ताव मंजूरः गुरुवार को हुई इस अहम बैठक में रक्षा मंत्री ने कुल 3.60 लाख करोड़ रुपये से अधिक के रक्षा प्रस्तावों को मंजूरी दी। इसमें राफेल फाइटर जेट, कॉम्बैट मिसाइल और हाई एल्टीट्यूड स्यूडो-सैटेलाइट की खरीद शामिल है। सरकार का जोर मेक इन इंडिया पर है, जिसके तहत अधिकांश लड़ाकू विमान भारत में ही बनाए जाएंगे। इसके अलावा एंटी-टैंक माइन्स (विभव), टैंकों और लड़ाकू वाहनों (बीएमपी।।) के ओवरहाल और लंबी दूरी के समुद्री टोही विमान पी-8क की खरीद को भी हरी झंडी दिखाई गई है। रक्षा अधिग्रहण की प्रक्रिया के तहत अब इन प्रस्तावों पर कीमत को लेकर बातचीत होगी और अंतिम मंजूरी सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) द्वारा दी जाएगी।

बांग्लादेश में बीएनपी ने लहराया परचम, पीएम मोदी ने तारिक रहमान को दी बधाई, कहा-

'भारत प्रगतिशील बांग्लादेश के साथ'

एजेंसी

नई दिल्लीः बांग्लादेश के संसदीय चुनावों में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की ऐतिहासिक जीत के बाद दक्षिण एशियाई राजनीति में एक नया अध्याय शुरू हो गया है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को तारिक रहमान को इस 'अहम' जीत पर बधाई दी और भविष्य में द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊँचाइयों पर ले जाने की प्रतिबद्धता जताई। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीएनपी की जीत दिखाती है कि बांग्लादेश के लोग रहमान की लीडरशिप पर भरोसा करते हैं, और कहा कि वह उनके साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं।

सोशल मीडिया पर रहमान को टैग करते हुए एक पोस्ट में, पीएम मोदी ने कहा कि भारत हमेशा डेमोक्रेटिक, प्रोग्रेसिव और इनक्लूसिव बांग्लादेश के सपोर्ट में खड़ा रहेगा। उन्होंने कहा, बांग्लादेश में पार्लियामेंट्री चुनावों में बीएनपी को अहम जीत दिलाने के लिए मैं मिस्टर तारिक रहमान को दिल से बधाई देता हूं।

प्रधानमंत्री ने अपने (पहले ट्विटर) पोस्ट में कहा, यह जीत बांग्लादेश के लोगों का आपकी लीडरशिप पर भरोसा दिखाती है। मैं हमारे कई तरह के रिश्तों को मजबूत करने और हमारे कॉमन डेवलपमेंट गोल्स को आगे बढ़ाने के लिए आपके साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं।

भारतीय पासपोर्ट हुआ मजबूत, पांच पायदान चढ़कर 80 से 75वें स्थान पर आया

एजेंसी

नई दिल्लीः दुनिया घूमने का सपना देखने वाले भारतीयों के लिए अच्छी खबर है. भारतीय पासपोर्ट की ताकत बढ़ी है और हेनले पासपोर्ट इंडेक्स की फरवरी 2026 की ताजा रैंकिंग में भारत ने पांच पायदान की छलांग लगाते हुए 80वें से 75वें स्थान पर जगह बना ली है। साल 2026 की शुरूआत में भारत 80वें नंबर पर था। यह संकेत है कि अब भारतीय नागरिकों को पहले के मुकाबले ज्यादा देशों में आसान एंट्री मिल रही है। हेनले पासपोर्ट इंडेक्स दुनिया के लगभग 200 देशों के पासपोर्ट को इस आधार पर रैंक करता है कि उस देश का नागरिक कितने देशों में बिना वीजा या वीजा-ऑन-अराइवल के साथ यात्रा कर सकता है। इस रैंकिंग में ऊपर जाने का मतलब है कि उस देश के नागरिकों को ज्यादा देशों में आसानी से प्रवेश मिल रहा है। हाल के सालों में भारतीय पासपोर्ट की स्थिति में धीरे-धीरे सुधार देखने को मिला है।

हालांकि, अभी भी भारत की रैंकिंग एक दशक पहले के स्तर से नीचे है। भारत की अब तक की सबसे बेहतर रैंकिंग 2006 में 71वीं रही थी। फिलहाल भारत 75वें स्थान पर है, लेकिन वीजा-फ्री या वीजा-ऑन-अराइवल की सुविधा देने वाले देशों की संख्या के मामले में अभी भी कई देशों से पीछे है। एशियाई देश इस सूची में लगातार मजबूत बने हुए हैं। सिंगापुर, जापान और दक्षिण कोरिया दुनिया के सबसे ताकतवर पासपोर्ट वाले देशों में शामिल हैं। अब भी सबसे मजबूत पासपोर्ट सिंगापुर का है, जिसके नागरिक 192 देशों में बिना वीजा जा सकते हैं। दूसरे नंबर पर जापान, साउथ कोरिया के लोग 187 देशों में बिना वीजा घूम सकते हैं। वहीं, कभी शीर्ष पर रहने वाले अमरीका और ब्रिटेन की स्थिति में गिरावट आई है। अमरीका अब 10वें स्थान पर है और वीजा-फ्री पहुंच के मामले में 37 देशों से पीछे है।

कर्नाटक में भीषण सड़क हादसा

बेंगलुरु के पास आपस में टकराए कई वाहन, 7 लोगों की दर्दनाक मौत

एजेंसी

बेंगलुरु : कर्नाटक के बेंगलुरु ग्रामीण जिले के होसकोटे तालुक के एम सत्यवारा गांव के पास शुक्रवार तड़के एक सड़क दुर्घटना में सात लोगों की दुखद मौत हो गई। यह दुर्घटना होस्कोटे-डाबास्पेटे राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई और इसमें एक कैंटर ट्रक, एक मोटरसाइकिल और एक एक्सयूवी कार शामिल थी।

पुलिस की प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, कोलार से देवनहल्ली की ओर जा रही कार पहले अपने आगे चल रही एक बाइक से टकरा गई। बताया जाता है कि चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद कार एक कैंटर ट्रक से जा टकराई, जिसके परिणामस्वरूप एक घातक सिलसिलेवार दुर्घटना हुई।

कार में सवार 6 लोगों और बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार

पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। बताया जा रहा है कि कार में सवार सभी छह मृतक बेंगलुरु के कोथनूर के निवासी थे। घटनास्थल का दौरा करने वाले आईजीपी (सेंट्रल) लाभू राम ने बताया कि सड़क दुर्घटना की एक श्रृंखला में सात लोगों की मौत हो गई है। हमने वाहनों को हटा दिया है और शवों को अस्पताल भेज दिया है।

मृतकों में से 6 लोगों के शवों की पहचान कर ली गई है। हम उनके परिवार और परिजनों से संपर्क करेंगे और आगे की प्रक्रिया पूरी करेंगे। एक अन्य मृतक की पहचान के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा, इस बात की जांच चल रही है कि क्या वाहन चालक नशे की हालत में गाड़ी चला रहा था। हम इस संबंध में कुछ नहीं कह सकते।

दुर्घटना के बाद, ट्रक और बाइक डिवाइडर को पार करके सड़क के दूसरी ओर गिर गए, जबकि बुरी तरह क्षतिग्रस्त एक्सयूवी उस स्थान से लगभग 500 मीटर दूर जाकर रुक गई जहां वे गिरे थे। सुलिबेले पुलिस स्टेशन के पुलिसकर्मी घटनास्थल पर पहुंचे और जांच शुरू की।

बेंगलुरु ग्रामीण पुलिस अधीक्षक चंद्रकांत ने भी दुर्घटनास्थल का दौरा किया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शुरूआती जांच के आधार पर दुर्घटना का मुख्य कारण तेज गति से वाहन चलाना प्रतीत होता है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए होसकोटे के सरकारी अस्पताल में भेज दिया गया है। इस बीच, स्थानीय निवासियों ने राजमार्ग के इस हिस्से के डिजाइन और निर्माण गुणवत्ता को लेकर गंभीर चिंताएं जताई हैं। उनका आरोप है कि सदप्पनहल्ली से कमालीपुरा पुल तक की सड़क में उचित वैज्ञानिक योजना का अभाव है। उन्होंने दावा किया कि निर्माण के दौरान एक इंजीनियर ने राजमार्ग के डिजाइन में खामियों को लेकर आपत्ति जताई थी।

शराब समझकर पी लिया एसिड, 3 महिलाओं समेत 4 लोगों की मौत

- ✔ शादी वाले घर से छुपाकर लाए थे बोतलें

भीलवाड़ा (राजस्थान) : जिले के गंगापुर कस्बे में एक बेहद दर्दनाक और चौंकाने वाली घटना सामने आई है। शादी समारोह में साफ-सफाई का काम करने गए 4 लोगों ने कथित रूप से शराब समझकर खाना गर्म करने वाला तरल फ्यूल पी लिया, जिससे 3 महिलाओं सहित 4 लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, गंगापुर थाना क्षेत्र के आलोली गांव में 9 और 10 फरवरी को एक शादी समारोह आयोजित हुआ था। मृतक बर्तन साफ करने का ठेका लेकर समारोह में गए थे। बताया जा रहा है कि कार्यक्रम के बाद वे खाना गर्म करने में इस्तेमाल होने वाला तरल फ्यूल अपने साथ घर ले आए। गुरुवार देर रात उन्होंने उक्त तरल पदार्थ को शराब समझकर पी लिया। कुछ ही देर में सभी की तबीयत बिगड़ गई। परिजन उन्हें तत्काल गंगापुर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने 3 लोगों को मृत घोषित कर दिया। एक युवक को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी भी मौत हो गई। मृतकों की पहचान रतन पुत्र मसरिया कंजर निवासी माधोपुर, सुशीला देवी, जमनी देवी पत्नी शंकर कंजर और बदामी देवी कंजर के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक मौके पर पहुंचे और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। पुलिस ने चारों शवों को सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपे जाएंगे। भीलवाड़ा पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मृतक शादी समारोह से खाना गर्म करने वाला फ्यूल घर ले आए थे, जिसे शराब समझकर पीने से यह हादसा हुआ। मामले की हर एंगल से विस्तृत जांच की जा रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि संबंधित फ्यूल कहां से खरीदा गया था और उसका उपयोग किस उद्देश्य से किया जा रहा था। इस घटना के बाद पुलिस प्रशासन और आबकारी विभाग में हड़कंप मच गया है। वहीं, मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

न्यूज IN ब्रीफ

झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के कार्यालय का उद्घाटन कल

मुरी : झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा का कार्यालय का उद्घाटन आगामी 14 फरवरी को सिंगपुर चौक पर किया जाएगा। इसमें केन्द्रीय उपाध्यक्ष देवेंद्र नाथ महतो उपस्थित रहेगें। वैसे बिधायक जयराम महतो को भी आने की सूचना दी है। उक्त आशय की जानकारी सिल्ली प्रखंड के पार्टी सूत्रों के हवाले से दी गई है।

जिला स्तरीय कृषि मेला-सह-प्रदर्शनी का उपायुक्त ने किया शुभारंभ

खूंटी : कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, खूंटी के तत्वावधान में तोरपा कृषि विज्ञान केंद्र परिसर में आज जिला स्तरीय कृषि मेला-सह-प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ उपायुक्त आर। रॉनिटा ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर वरीय वैज्ञानिक-सह-प्रधान, कृषि विज्ञान केंद्र, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला गव्य एवं पशुपालन पदाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। उपायुक्त आर। रॉनिटा ने अपने संबोधन में कहा कि कृषि मेला-सह-प्रदर्शनी किसानों के लिए नवीन तकनीकों, उन्नत बीजों, आधुनिक कृषि यंत्रों एवं वैज्ञानिक खेती की पद्धतियों की जानकारी प्राप्त करने का एक महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे वैज्ञानिकों द्वारा दी जा रही तकनीकी सलाह को गंभीरता से समझें और उसे अपने खेतों में अपनाकर उन्नत एवं लाभकारी खेती की दिशा में कदम बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में नवाचार और तकनीकी समावेशन से उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है, जिससे किसानों की आय भी बढ़ेगी। उपायुक्त ने किसानों को आत्मनिर्भर बनने और कृषि को एक लाभकारी व्यवसाय के रूप में विकसित करने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त ने मेला परिसर में लगाए गए विभिन्न विभागों एवं संस्थानों के स्टॉलों का निरीक्षण किया। उन्होंने किसानों द्वारा प्रदर्शित सब्जियों, फलों एवं अन्य कृषि उत्पादों की सराहना करते हुए बेहतर उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर भूमि संरक्षण विभाग के अंतर्गत दो महिला स्वयं सहायता समूहों की दीदियों के बीच ट्रैक्टर का वितरण किया गया। वहीं गव्य विकास योजना के तहत 30 से अधिक लाभुकों को दुधारू गाय प्रदान की गई, जिससे उनके आय सृजन को बल मिलेगा। कार्यक्रम में परियोजना निदेशक आत्मा, परियोजना पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। साथ ही बड़ी संख्या में किसान, लाभुक एवं स्थानीय नागरिकों की सहभागिता देखने को मिली। कृषि मेला-सह-प्रदर्शनी के माध्यम से किसानों को नवीन तकनीक, सरकारी योजनाओं एवं सहयोग से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराई गई, जिससे जिले में कृषि एवं पशुपालन क्षेत्र को सशक्त बनाने की दिशा में यह आयोजन एक अहम पहल साबित हुआ।

डाक मेला का आयोजन

चतरा: हजारीबाग डाक प्रमंडल ने डाक मेला का आयोजन पैराडाइज रिसॉर्ट में किया। मुख्य अतिथि डाक निदेशक रामविलास चौधरी व उप मंडलीय डाक जीवन बीमा मंडल प्रबंधक अमित कुमार ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। निदेशक रामविलास चौधरी ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में डाक विभाग अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं को लाभ पहुंचाने में अहम भूमिका निभा रहा है। डाक विभाग का व्यापक नेटवर्क सरकार के वित्तीय समावेशन विजन को साकार करने में लगा हुआ है।इस मौके पर डाक जीवन बीमा उप मंडलीय प्रबंधक अमित कुमार ने कहा कि डाक जीवन बीमा अन्य बीमा कंपनियों की तुलना में कम प्रीमियम पर अधिक बोनस देता है।मेला में डाक जीवन बीमा निगम, ग्रामीण डाक जीवन बीमा, लघु बचत योजनाएं, एसबीआरडी, टीडी, एमआइएस, एनएससी, केबीबी, पीपीएफ, कन्या समृद्धि योजना के बारे में आम लोगों को जानकारी दी गयी।

कार्यक्रम का समापन विगत वर्षों में किए गए उत्कृष्ट कार्यों का प्राइज वितरण कर किया गया।प्रथम पुरस्कार चतरा उप डाकघर के उप डाकपाल मनीष कुमार गुप्ता को दिया गया।मौके पर सहायक डाक अधीक्षक ब्रजेश पासवान, डाक निरीक्षक अशोक मंडल, ऋषिकांत सिंह, विकास रंजन, आशीष पांडेय इत्यादि उपस्थित थे।

राजकीय इटखोरी महोत्सव के सफल आयोजन को लेकर उपायुक्त की बैठक

चतरा : तीन दिवसीय राजकीय इटखोरी महोत्सव 2026 के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर उपायुक्त की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न कोल परियोजनाओं के प्रतिनिधियों सहित संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।उपायुक्त ने कहा कि 19, 20 एवं 21 फरवरी को आयोजित होने वाले राजकीय इटखोरी महोत्सव के दौरान विभिन्न कोल परियोजनाएँ एवं कंपनियाँ निर्धारित दिशा-निदेशों के अनुरूप अपने-अपने ब्रांड एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों का प्रदर्शन/प्रचार कर सकती हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि महोत्सव का आयोजन जिला प्रशासन के तत्वावधान में गरिमामय एवं सांस्कृतिक वातावरण में किया जाएगा, जिसमें सभी सहभागियों से सकारात्मक सहयोग अपेक्षित है। बैठक के दौरान महोत्सव में आयोजित होने वाली सांस्कृतिक संध्या हेतु कलाकारों के चयन की प्रक्रिया पर भी विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। इस संबंध में पारदर्शिता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने सभी विभागों को समन्वय स्थापित कर समयबद्ध तैयारियाँ सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

एसआईआर को लेकर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की अहम बैठक

मतदाताओं के सत्यापन में तेजी लाने का निर्देश

संवाददाता

रांची : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के। रवि कुमार ने कहा है कि विभिन्न राज्यों में मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण कार्य जारी है। इस क्रम में अन्य राज्यों से झारखंड से संबंधित मतदाताओं के सत्यापन हेतु दस्तावेज प्राप्त हो रहे हैं। उन्होंने निर्देश दिया कि इन दस्तावेजों का त्वरित निरीक्षण कर संबंधित राज्यों को समय पर प्रतिवेदन भेजा जाए।

के। रवि कुमार निर्वाचन सदन से सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे। उन्होंने राज्य में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण से पूर्व सभी तैयारियां समय पर पूरी करने पर जोर दिया, ताकि पुनरीक्षण प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हो सके। उन्होंने निर्देश दिया कि मतदाता सूची की पैतृक मैपिंग के साथ-साथ अनुपस्थित (एब्सेंट), स्थानांतरित (शिफ्टेड), विलोपित (डिलीट) एवं डुप्लीकेट मतदाताओं की सघन जांच कर सूची तैयार की जाए। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि मतदाता सूची में किसी भी मतदाता का धुंधला (ब्लर) फोटो लंबित न रहे। मतदाता पहचान पत्र में स्पष्ट एवं रंगीन तस्वीर अपलोड करने के लिए संबंधित बीएलओ बीएलओ ऐप के माध्यम से फोटो लेकर उसे अपलोड करें।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि ईसीआईनेट के माध्यम से बुक ए कॉल विद बीएलओ सुविधा का प्रभावी उपयोग कर मतदाताओं की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाए तथा ऐप पर प्राप्त कॉल रिक्वेस्ट का समय पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज ठाकुर, अवर निर्वाचन पदाधिकारी सुनील कुमार सहित सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारी ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित थे।

दो दिन से लापता है बच्चा, सड़क पर उतरे परिजन, पुलिस ने तेज की जांच

संवाददाता

गिरिडीह: जिले के धनवार थाना क्षेत्र अंतर्गत मायाराम टोला से 12 वर्षीय बच्चा लापता है। बालक दो दिनों से लापता है। ऐसे में परिजन परेशान हैं। परिजनों और ग्रामीणों ने बच्चे की जल्द बरामदगी के लिए सड़क जाम किया। जाम की सूचना मिलने पर थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाया कि पुलिस पूरी तरह से बालक को ढूंढने का प्रयास कर रही है।

क्या है मामला?

दरअसल, धनवार थाना इलाके के मायानगर टोला निवासी लक्ष्मण दास का 12 वर्षीय बेटा आयुष कुमार 10 फरवरी की शाम स्कूल से वापस घर आया था। वह घर के पीछे खेलने गया था लेकिन वापस नहीं लौटा। अंधेरा होने के बाद आयुष की खोजबीन शुरू हुई। उसके दोस्तों से बात की गई लेकिन कुछ पता नहीं चला। इसके बाद रिश्तेदारों से संपर्क किया गया लेकिन पता नहीं चल सका।

नहीं चल सका बच्चे का पताः धनवार के सभी मोहल्ले एवं आसपास के इलाकों में भी खोजबीन हुई लेकिन आयुष नहीं मिला। इसके बाद मामले की सूचना धनवार थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलने के बाद धनवार थाना प्रभारी सतेंद्र पाल के नेतृत्व में बच्चे की खोजबीन हुई। बच्चे की तस्वीर भी कई स्थानों पर भेजी गई है लेकिन कुछ पता नहीं चल सका। लापता होने के दो दिन बीत जाने के बाद परिजनों के साथ मोहल्ले के लोग सड़क पर उतर आए। लोगों ने पुलिस पर मामले को लेकर गंभीर नहीं होने का आरोप लगाया।

खोजबीन में जुटी पुलिस की अलग-अलग टीमः एसपी डॉ बिमल कुमार ने बच्चे को जल्द से जल्द ढूंढने के निर्देश खोरी महुआ एसडीपीओ राजेंद्र प्रसाद के साथ थाना प्रभारी सतेंद्र पाल को दिए हैं। एसपी के निर्देश के बाद से पुलिस की अलग-अलग टीम खोजबीन में जुटी है। इसी कड़ी में फॉरेन्सिक टीम के साथ डॉग स्क्वायड भी उसी स्थान पर पहुंची, जहां बच्चे को आखिरी बार देखा गया था।

नगरपालिका (आम) निर्वाचन 2026

उपायुक्त ने वज्र गृह, रिसीविंग सेंटर व मतगणना केंद्र का किया निरीक्षण

संवाददाता

खूंटी : नगरपालिका (आम) निर्वाचन 2026 के सफल, शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष संचालन को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त आर। रॉनिटा ने गुरुवार को कदमा स्थित कृषि उत्पादन बाजार समिति भवन में बन रहे वज्र गृह, रिसीविंग सेंटर एवं प्रस्तावित मतगणना केंद्र का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया। उन्होंने बैरिकेडिंग, सुचारू पार्किंग व्यवस्था, मीडिया गैलरी, अभ्यर्थियों एवं मतगणना एजेंटों के लिए निर्धारित स्थान सहित सभी व्यवस्थाएं समय रहते पूर्ण करने का निर्देश दिया। वज्र गृह की सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरतने पर उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए।

उपायुक्त ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता सर्वोपरि है। इसलिए राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेशों के अनुरूप सभी तैयारियां समयबद्ध ढंग से पूरी की जाएं। उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा तय समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने को लेकर कार्यपालक अभियंता को भी निर्देशित किया। उल्लेखनीय है कि खूँटी नगर पंचायत क्षेत्र में 23 फरवरी 2026 को मतदान तथा 27 फरवरी 2026 को मतगणना निर्धारित है। निर्वाचन को सुचारू रूप से संपन्न कराने हेतु जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। निरीक्षण के अवसर पर उप विकास आयुक्त, सभी निवार्ची पदाधिकारी, उप निर्वाचन पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता (भवन प्रमंडल) सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

आरएनएम महाविद्यालय में खेलकूद प्रतियोगिता का समापन

संवाददाता

चतरा : जिले के हंटरगंज प्रखंड मुख्यालय स्थित राम नारायण महाविद्यालय स्टेडियम में चल रहे तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का समापन गुरुवार को धूमधाम से हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि चतरा के अनुमंडल पदाधिकारी जहूर आलम शामिल हुए। सर्वप्रथम मुख्य अतिथियों को महाविद्यालय के छात्राओं ने स्वागत गीत गाकर और पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। उसके बाद महाविद्यालय के प्राचार्य जैनेंद्र कुमार सिंह ने मुख्य अतिथि को अंग वस्त्र एवं पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन नैक कोऑर्डिनेटर प्रो० फखरुद्दीन अंसारी एवं शारीरिक शिक्षा अनुदेशक रमेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस पूरे तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में ओवरऑल उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र एवं छात्राओं में दीपक कुमार एवं निर्मला कुमारी चैंपियन रहें। जिन्हें चैंपियंस ट्रॉफी, मेडल और सर्टिफिकेट देकर अतिथियों ने सम्मानित किया। जबकि इस प्रतियोगिता में 200,400 मीटर दौड़ में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र एवं छात्राओं को प्रशस्ति पत्र, शील्ड एवं मैडल देकर सम्मानित किया गया।इसी तरह सुई धागा,

कबड्डी ,लॉन्ग जंप ,हाई जंप, गोला में भी प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को शील्ड,मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता को संबोधित करते हुए चतरा एसडीओ जहूर आलम ने कहा कि शारीरिक एवं मानसिक रूप से फिट रहने के लिए खेलकूद अति आवश्यक है। पढ़ाई के साथ-साथ समय निकालकर खेलकूद में भाग लेने से आप शारीरिक एवं मानसिक रूप से तंदुरुस्त रहेंगे। ग्राम स्तर के खिलाड़ी ही जिला राज्य और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेलों में भाग लेकर क्षेत्र और देश का नाम रोशन करते हैं। उन्होंने कहा कि खेल सिर्फ मनोरंजन नहीं बल्कि यह जीवन, मूल्यों, अनुशासन, सहनशीलता और लक्ष्य निर्धारण का आधार है। कड़ी मेहनत से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। महाविद्यालय के प्राचार्य जैनेंद्र कुमार सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि हमारे विद्यालय की छात्र कई क्षेत्रों में अपना परचम लहरा रहे हैं। उन्होंने ताजा उदाहरण देते हुए बच्चों को बताया कि हमारे विद्यालय के दो छात्र चार्टर एकाउंटेंट बनकर अपना एवं महाविद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं। मौके पर रूसा कोऑर्डिनेटर प्रो अनिल कुमार सिंह, प्रो कुमारी मंजू सिंह, प्रो पूजा कुमारी, प्रो फहीम अहमद, प्रो उमेश प्रसाद सिंह, प्रो सुबोध कुमार सिंह, प्रो आर के तिवारी,प्रो डा रामजीत यादव, अनुज सिंह, कुंदन सिंह, पिंकू गुप्ता के साथ कॉलेज के सभी कर्मी मौजूद थे।

देशव्यापी हड़ताल के समर्थन में उतरे किसान सभा के हजारों किसान

संवाददाता

मुरी : ट्रेड यूनियन मोर्चा के देशव्यापी हड़ताल के समर्थन में संयुक्त किसान मोर्चा के आव्हान पर झारखंड राज्य किसान सभा द्वारा रांची -टाटा उच्च राजपथ डोरेया मोड़ पर डेढ़ घंटे तक, राहे - सिल्ली राजपथ पर राहे एवं बासाहातु में बुंडू - सोनाहातु- सिल्ली राज पथ सोनाहातु में एवं राहे - सोनाहातु पर जिंतू में अन्नदाता किसान घंटों सड़क रोक कर डटे रहे।

किसान - मजदूर विरोधी 4 लेबर कोड,बिज ओर बिजली विधेयक रद्द करो, वीवीजी राम जी विधेयक रद्द करो, मनरेगा पुनः बहाली करो, किसान विरोधी भारत - अमेरिका व्यापार समझौता रद्द करो, झारखंड में हाथियों के आतंक से किसानों को स्थायी निजात दिलाओ, किसानों के फसलों के लिए एमएसएस की कानूनी गारंटी दो, जबरन अधिग्रहण,विस्थापन, पलायन पर रोक लगाओ, अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए शून्य प्रतिशत पर भारतीय बाजार नहीं चलेगा, भारतीय कृषि उपज पर अमेरिकी बाजार में 18 प्रतिशत टैरिफ नहीं चलेगा, झारखंड में 40 प्रतिशत खनिज संपदा पर किसानों को हिस्सेदारी देना होगा,देश बेचना नहीं चलेगा, सार्वजनिक क्षेत्रों का निजीकरण नहीं चलेगा, सर्वाधिक महंगाई, बेरोजगारी नहीं चलेगा, जल,जंगल, जमीन कारपोरेट के हवाले नहीं चलेगा,किसानों को वनपट्टा देना होगा आदि नारे लग रहे थे। मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए झारखंड राज्य किसान सभा के राज्य अध्यक्ष सुफल महतो ने कहा मोदी सरकार द्वारा किसान विरोधी 4 लेबर कोड,बिज और बिजली विधेयक,भी,भी, जी राम,जी विधेयक रद्द करो।

झारखंड में लिवर और किडनी ट्रांसप्लांट जल्द : डॉ अंसारी

संवाददाता

रांची : स्वास्थ्य मंत्री डॉ। इरफान अंसारी ने कहा कि राज्य में उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने की दिशा में किडनी एवं लिवर प्रत्यारोपण (ट्रांसप्लांट) कराने वाले मरीजों को विशेष पैकेज प्रदान किया जाएगा। डॉ अंसारी ने कहा कि राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए दिन-रात कार्य किया जा रहा है और इस प्रयास में विपक्ष से भी सकारात्मक सहयोग की अपेक्षा है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में विकास कार्यों में बाधा डालने का प्रयास किया जा रहा : डॉ अंसारी ने वरिष्ठ चिकित्सक डॉ। मजीद आलम को राज्य की धरोहर बताते हुए कहा कि उन्होंने स्वयं उन्हें शल्य चिकित्सा (सर्जरी) की बारीकियाँ सिखाईं। रांची में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एमएस मेमोरियल सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल (आलम हॉस्पिटल यूनिट) का उद्घाटन किया गया, जो आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। डॉ। अंसारी ने कहा कि राज्य की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। यह अस्पताल अत्याधुनिक तकनीक, ऑर्गन ट्रांसप्लांट सेवाएं, स्त्री एवं प्रसूति रोग (गायनेकोलॉजी), प्लास्टिक सर्जरी तथा हाई-टेक पैथोलॉजी लैब सहित बहु-विशेषता चिकित्सा सेवाएं प्रदान करेगा। डॉ अंसारी ने विपक्ष पर आरोप लगाया कि स्वास्थ्य क्षेत्र में विकास कार्यों में बाधा डालने का प्रयास किया जा रहा है। रिम्स-2 परियोजना का विरोध और

आपातकालीन सेवाओं को सुदृढ़ करने हेतु प्रस्तावित अवसंरचना विकास (जैसे लिफ्ट स्थापना) में अवरोध राज्य के विकास के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि यह परियोजनाएं जनता के उपचार और सुविधा के लिए हैं, न कि किसी निजी लाभ के लिए। कांके विधायक सुरेश बैठा ने कहा कि राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को नई दिशा मिल रही है और रिम्स-2 राज्य की आवश्यकता है।

अस्पताल में भविष्य में किडनी एवं लिवर ट्रांसप्लांट सेवाएं भी शुरू की जाएंगीः अस्पताल के सीईओ डॉ मजीद आलम ने बताया कि 10 बेड जरूरतमंद मरीजों के लिए चैरिटी आधार पर आरक्षित रहेंगे। यहां बैरियाट्रिक सर्जरी, उन्नत लैप्रोस्कोपिक एवं हिस्टेरोस्कोपिक प्रक्रियाएं, माइक्रोस्कोपिक एवं एंडोस्कोपिक स्पाइन सर्जरी, उन्नत यूरोलॉजिकल सर्जरी, इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी, उच्च जोखिम गर्भावस्था प्रबंधन, कैंसर स्क्रीनिंग एवं सर्जरी जैसी सेवाएं उपलब्ध होंगी। अस्पताल में भविष्य में किडनी एवं लिवर ट्रांसप्लांट सेवाएं भी शुरू की जाएंगी। इस अवसर पर यूरोलॉजिस्ट डॉ तनवीर आलम, न्यूरोसर्जन डॉ एसएमक्यू जमान, रोबोटिक एवं बैरियाट्रिक सर्जन डॉ मोहम्मद उमर, गायनेकोलॉजिस्ट डॉ समरीना तथा मैक्सिलोफेशियल सर्जन डॉ तरन्नुम सहित अन्य विशेषज्ञ उपस्थित थे। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य की जनता के समग्र स्वास्थ्य और उपचार की सुविधा सुनिश्चित करना सरकार की प्रतिबद्धता है ।

आशियाने पर नहीं चलेगा बुलडोजर

हाईकोर्ट ने सुखदेव नगर में चल रही बुलडोजर कार्रवाई पर लगाई रोक

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः रांची के सुखदेव नगर थाना क्षेत्र में आदिवासी जमीन पर बने मकानों पर फिलहाल नगर निगम का बुलडोजर नहीं चलेगा। झारखंड हाईकोर्ट ने इन मकानों को तोड़ने की कार्रवाई पर तत्काल रोकने का निर्देश दिया है। हाईकोर्ट में न्यायमूर्ति राजेश शंकर की अदालत ने हेहल अंचल के सीओ से जमीन के सारे रिकॉर्ड पेश करने का निर्देश देते हुए जवाब मांगा है। इस मामले में 27 फरवरी को फिर सुनवाई होगी। प्रार्थी रौनक कुमार एवं अन्य 11 की ओर से हस्तक्षेप याचिका दायर कर मकान तोड़ने की कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाने की मांग की गई थी।

10 फरवरी से मकानों पर चल रहा बुलडोजर

रांची के सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के खादगढ़ा शिव दुर्गा मंदिर के पास 48 डिसमिल भुईंहरी प्रकृति की जमीन पर बने 12 मकानों को मंगलवार 10 फरवरी की सुबह करीब 11 बजे से तोड़ने की कार्रवाई चल रही है। इस कार्रवाई के दौरान दंडाधिकारी, भारी पुलिस बल, हेहल सीओ और सीआई भी मौजूद थे। कार्रवाई शुरू होते ही इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

क्या कहते हैं स्थानीय लोग

स्थानीय लोगों का कहना है कि 48 डिसमिल में से 38.25 डिसमिल जमीन पर वे वर्षों से रह रहे हैं। सीताराम चौधरी, गायत्री देवी, नारायण साव, फूलो देवी, महेश प्रसाद, मोहनलाल साहू, सुरेश साव और रामलखन यादव के परिजनों का आरोप है कि उन्होंने खतियानी जमीन के वंशज को प्रति कट्ठा 5.125 लाख रुपये के हिसाब से कुल 1 करोड़ 8 लाख 93 हजार 750 रुपये का भुगतान ऑनलाइन और ड्राफ्ट के माध्यम से किया है।

आरकेडीएफ विवि में छलांग 4.0 वार्षिक खेल महोत्सव सफलतापूर्वक संपन्न

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः आरकेडीएफ विश्वविद्यालय, रांची में 6 फरवरी से 11 फरवरी 2026 तक आयोजित पाँच दिवसीय वार्षिक खेल महोत्सव छलांग 4.0 सफलतापूर्वक एवं अत्यंत उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हो गया। यह आयोजन विश्वविद्यालय परिसर (पुंदाग एवं पालांडू कैंपस) में भव्य रूप से आयोजित किया गया।

खेल महोत्सव के दौरान विद्यार्थियों ने पूरे जोश, अनुशासन एवं खेल भावना के साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। प्रतियोगिताओं में क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, कैरम, पिट्ठू, 100 मीटर, 200 मीटर एवं 4*100 मीटर रिले दौड़ तथा रस्साकशी जैसे खेल शामिल थे। सभी आउटडोर खेल नॉकआउट प्रारूप में आयोजित किए गए।खेल समिति अध्यक्ष शौप्रिक चटर्जी एवं समिति के सदस्यों के मार्गदर्शन में

आयोजन अत्यंत सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। विजेता एवं उपविजेता टीमों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो डॉ एस चटर्जी ने अपने संबोधन में कहा कि खेल केवल शारीरिक विकास का माध्यम नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और टीम भावना का विकास करता है। छलांग 4.0 जैसे आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वहीं विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ। अमित कुमार पांडेय ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास के साथ-साथ खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को भी समान महत्व देता है। इस सफल आयोजन के लिए खेल समिति एवं सभी प्रतिभागियों को हार्दिक बधाई। छलांग 4.0 के सफल आयोजन से विश्वविद्यालय परिसर में उत्साह एवं ऊर्जा का वातावरण बना रहा।

आत्मजागरण का संदेश देता है महाशिवरात्रि शिव स्वयं योग के प्रतीक हैं: योगाचार्य महेश पाल

महाशिवरात्रि पर योग का धार्मिक, आध्यात्मिक और वैज्ञानिक महत्व

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः महाशिवरात्रि केवल एक पर्व नहीं, बल्कि चेतना को जागृत करने की एक दिव्य रात्रि है। योगाचार्य महेश पाल ने बताया कि यह वह पावन अवसर है जब संपूर्ण सृष्टि शिवतत्व की ऊर्जा से स्पंदित होती है। शिव को आदि योगी कहा गया है – वह प्रथम गुरु जिन्होंने मानवता को योग का ज्ञान प्रदान किया। भारतीय योग परंपरा के अनुसार सप्तऋषियों को योग का उपदेश देने वाले स्वयं भगवान शिव थे। यही कारण है कि महाशिवरात्रि योग, ध्यान और आत्म-साक्षात्कार के लिए अत्यंत उपयुक्त मानी जाती है, पुराणों में वर्णित है कि इस रात्रि में भगवान शिव का दिव्य तांडव हुआ तथा उनका विवाह माता पार्वती से संपन्न हुआ। परंतु योग दर्शन में महाशिवरात्रि का अर्थ है – अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर यात्रा। शिव पुराण और लिंग पुराण में शिव को तप, ध्यान और समाधि का प्रतीक बताया गया है। शिव की मुद्रा स्वयं ध्यानमग्न योगी की है अर्धनिमीलित नेत्र, स्थिर देह, शांत श्वास। धार्मिक रूप से इस दिन व्रत, जप, रुद्राभिषेक और रात्रि जागरण का विशेष महत्व है, परंतु योग की दृष्टि से यह रात्रि आत्मचिंतन, ध्यान और अंतमुर्खी होने का अवसर है योग का शाब्दिक अर्थ है – जोड़ना। अर्थात आत्मा का परमात्मा से मिलन। पतंजलि योगसूत्र में कहा गया है – योगश्चित्तवृत्ति निरोधः अर्थात चित्त की वृत्तियों का निरोध ही योग है। महाशिवरात्रि

की रात्रि में पृथ्वी की ऊर्जा विशेष प्रकार से ऊपर की ओर प्रवाहित होती है। इसलिए इस दिन सीधी रीढ़ के साथ ध्यान में बैठना अत्यंत लाभकारी माना जाता है। आध्यात्मिक साधना में यह रात्रि कुंडलिनी जागरण और चेतना विस्तार का प्रतीक है। शिव का स्वरूप हमें सिखाता है विष को भी नीलकंठ बनकर धारण करना (जीवन की कठिनाइयों को स्वीकार करना) श्मशान में निवास (अहंकार का त्याग) गंगा को धारण करना (ज्ञान का प्रवाह) योग इन सभी गुणों को जीवन में उतारने का माध्यम है आधुनिक विज्ञान भी यह स्वीकार करता है कि ध्यान और प्राणायाम शरीर और मस्तिष्क पर गहरा सकारात्मक प्रभाव डालते हैं।मस्तिष्क पर प्रभाव झ ध्यान करने से अल्फा और थीटा ब्रेन वेव्स बढ़ती हैं, जिससे मानसिक शांति और एकाग्रता में वृद्धि होती है। हार्मोन संतुलन -नियमित योगाभ्यास से कॉर्टिसोल (तनाव हार्मोन) कम होता है। इम्यूनिटी में वृद्धि प्राणायाम से फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है और प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत होती है। रीढ़ सीधी रखने का महत्व झ वैज्ञानिक दृष्टि से जब हम सीधी रीढ़ के साथ बैठते हैं तो नर्वस सिस्टम संतुलित रहता है और ऊर्जा प्रवाह बेहतर होता है। रात्रि जागरण के दौरान यदि व्यक्ति ध्यान में बैठता है तो उसका मस्तिष्क अधिक सजग और संतुलित अवस्था में रहता है आज का जीवन अत्यधिक भागदौड़, तनाव, प्रतिस्पर्धा और डिजिटल व्यस्तता से भरा हुआ है। ऐसे समय में योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि जीवनशैली बन चुका है। मानसिक तनाव से मुक्ति डिप्रेशन और एंग्जायटी में कमी हृदय रोग, मधुमेह, थायरॉइड जैसी बीमारियों में लाभ बच्चों में एकाग्रता और स्मरण शक्ति में वृद्धि युवाओं में आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा बुजुर्गों में लचीलापन और संतुलन विश्व स्वास्थ्य संगठन भी यह मानता है कि जीवनशैली आधारित रोगों की रोकथाम में योग और शारीरिक सक्रियता अत्यंत प्रभावी हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया जाना यह सिद्ध करता है कि योग अब केवल भारत की नहीं, बल्कि विश्व की धरोहर है। इस पावन अवसर पर निम्न साधनाएं विशेष फलदायी मानी जाती हैं– ओम नमः शिवाय मंत्र जप के साथ ध्यान, नाड़ी शोधन प्राणायाम,महामृत्युंजय मंत्र का जप, मौन साधना और आत्मचिंतन, रात्रि में सीधी रीढ़ के साथ ध्यान करते हुए शिव तत्व का स्मरण करना चेतना को ऊर्ध्वगामी बनाता है। महाशिवरात्रि हमें केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं रखती, बल्कि यह आत्मजागरण का संदेश देती है। शिव स्वयं योग के प्रतीक हैं – संतुलन, शांति और समाधि के प्रतीक। आज के आधुनिक युग में योग हमारे शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन और आध्यात्मिक उन्नति का आधार बन चुका है। यदि हम महाशिवरात्रि के वास्तविक संदेश को समझें तो यह स्पष्ट होता है कि शिव की उपासना का सर्वोत्तम मार्ग है – योग, ध्यान और आत्मचिंतन। इस महाशिवरात्रि पर संकल्प लें कि हम योग को केवल एक दिन का अभ्यास नहीं, बल्कि जीवन का अभिन्न अंग बनाएँगे।

सीएनजी वाहन की चपेट में आने से पुजारी की मौत, सड़क जाम

संवाददाता

रांचीः टाटीसिलवे थाना क्षेत्र अंतर्गत टाटीसिलवे खेलगांव सड़क स्थित गेल इंडिया फ्यूल टैंक के समीप गुरुवार को शाम छह बजे सीएनजी ट्रक की चपेट में आने से 50 वर्षीय निरंजन तिवारी (पांडेय) की मौत हो गयी। वह खेलगांव थाना क्षेत्र के सूर्यनगर में रहते थे। काफी दिनों से सूर्य मंदिर के पुजारी थे। हादसे की सूचना मिलते ही काफी संख्या में स्थानीय लोग जुटे और विरोध में शव के साथ सड़क जाम कर दी। जिससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गयी। जानकारी के अनुसार पुजारी सूर्य मंदिर में पूजा करा कर बाइक से जा रहे थे। इसी दौरान गेल इंडिया सीएनजी फ्यूल पंप के समीप सीएनजी ट्रक जेएच 01एफजे8799 ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद चालक ट्रक छोड़कर फरार हो गया। दुर्घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दी। सूचना पर टाटीसिलवे थाना प्रभारी हंसे उरांव व अन्य पुलिसकर्मी पहुंचे व ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। परंतु ग्रामीणों ने 50 लाख रुपये नकद मुआवजा व मृतक के एक परिजन को गेल इंडिया में नियमित नौकरी देने की मांग पर अड़े हुए थे। निरंजन पुजारी की मौत की सूचना से क्षेत्र में शोक की लहर है। वहीं उनके परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका)–सह–उपायुक्त का कार्यालय, खूँटी (निर्वाचन शाखा)

आदेश

नगरपालिका(आम) निर्वाचन – 2026 के निमित्त विद्यालयों, सामुदायिक भवनों, आंगनबाड़ी केन्द्रों एवं अन्य भवनों को मतदान केन्द्र के रूप में अधिग्रहण किया जाना है। उक्त परिप्रेक्ष्य में मैं आर0 रॉनिटा**भा0प्र0से0** जिला निर्वाचन पदाधिकारी(नगरपालिका)–सह–उपायुक्त, खूँटी लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 160 का प्रयोग करते हुए खूँटी नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत संबंधित विद्यालयों/सामुदायिक भवनों/आंगनबाड़ी केन्द्रों/स्थास्थ्य उप केन्द्रों/कौशल विकास केन्द्र भवन एवं अन्य भवन जहां मतदान केन्द्र बनाया गया है, को दिनांक 22.02.2026 से दिनांक 23.02.2026 तक के लिए उपस्कर सहित अधिग्रहण करती हूँ।

एतद द्वारा सभी संबंधित पदाधिकारियों को आदेश दिया जाता है कि संबंधित सभी मतदान केन्द्र के पदाधिकारी (बी0एल0ओ0) को मतदान दिवस के एक दिन पूर्व चाभी सौंपना सुनिश्चित करेंगे।

ह0/–
जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका),
–सह–उपायुक्त खूँटी

PR 372907 (Election) 25-26 (D)

एक दिवसीय खेलो इंडिया एनटीपीसी ओपन सिटी तीरंदाजी गेम्स का भव्य आयोजन

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः रांची जिला तीरंदाजी संघ के तत्वावधान में 12 फरवरी को मोरहाबादी स्थित ऑक्सीजन पार्क में एक दिवसीय 'खेलो इंडिया एनटीपीसी ओपन सिटी तीरंदाजी गेम्स' का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में शहर के उभरते हुए तीरंदाजों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि सुदेश कुमार महतो (पूर्व खेल मंत्री, झारखंड एवं मुख्य संरक्षक, रांची जिला तीरंदाजी संघ) द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि तीरंदाजी झारखंड की रग-रग में है और खेलो इंडिया जैसे आयोजनों से जमीनी स्तर के खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मंच प्राप्त होगा। उद्घाटन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में रवि शंकर ओलंपियन कोच सह हेड कोच खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, रांची, भगवती चानू कॉमनवेल्थ गेम्स पदक विजेता, गुरुचरण बेसरा अंतर्राष्ट्रीय पदक विजेता, पी एन दास उपस्थित थे,

जिन्होंने तकनीकी बारीकियों पर प्रकाश डाला।

समापन एवं पुरस्कार वितरण

प्रतियोगिता के समापन और पुरस्कार वितरण समारोह की मुख्य अतिथि नेहा महतो (अध्यक्ष, रांची जिला तीरंदाजी संघ एवं, झारखंड तीरंदाजी संघ की वरीय उपाध्यक्ष) रहीं। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को पदक और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि रांची जिला तीरंदाजी संघ निरंतर खिलाड़ियों को बेहतर मंच प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि वे देश का नाम रोशन कर सकें। विशिष्ट अतिथि के रूप में एशियन गेम्स रजत पदक विजेता मधुमिता कुमारी में उपस्थित थी।

इस सफल आयोजन में रांची जिला के सचिव चंचल भट्टाचार्य व तकनिकी पदाधिकारी के रूप में अंतरराष्ट्रीय तीरंदाजी प्रशिक्षक प्रकाश राम, शिशिर महतो, रोहित कोइरी, डी साईस्वरी राष्ट्रीय प्रशिक्षक अनिल कुमार, कमलेश महतो, रोहित भारद्वाज, राहुल कुमार, करण कुमार कर्मकार सहित भारी संख्या में खेल प्रेमी और रांची जिला तीरंदाजी संघ के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पदक विजेता खिलाड़ियों की सूची

इंडियन राउंड पुरुष वर्ग 50 मीटर

1. कुलदीप महतो
2. चितरंजन टुडू
3. सूरज जमुदा

इंडियन राउंड पुरुष वर्ग 30मीटर में

1. चितरंजन टुडू (बोकारो)
2. कुलदीप महतो (बोकारो)
3. मेघनाथ मुर्मू (बोकारो)

इंडियन राउंड महिला वर्ग 50 मीटर

1. वेवी कुमारी(रांची)
2. सोनी कुमारी(रांची)
3. तन्नू कुमारी(बोकारो)

इंडियन राउंड महिला वर्ग 30 मीटर

1. अंशु कुमारी (रांची)
2. तन्नू कुमारी (बोकारो)
3.लक्ष्मी कुमारी (रांची)

रिकर्व पुरुष वर्ग

1. पवन प्रकाश अग्रवाल(रांची)
2. प्रधान सिंकू(साझा)
3. रितेश नाग(साझा)

महिला

1. दीप्ती कुमारी (रांची)
2. आलिया श्रीवास्तव(जमशेदपुर–पूर्व सिंहभूम)

झारखण्ड शिक्षा परियोजना, राँची
मध्य विद्यालय बी०एम०पी०–1 डोरण्डा परिसर, राँची–834002
0651-2490065(Office), Fax-2490064
Email - jepranchi@gmail.com & dseranchi@gmail.com

अति अल्पकालीन निविदा

झारखण्ड राज्य परियोजना, राँची द्वारा जिले के सभी सरकारी एवं सहायता प्राप्त विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2025–26 हेतु वर्ग 1 से 7 तक के अध्ययनरत छात्र–छात्राओं के मूल्यांकन हेतु प्रश्नपत्र–सह–उत्तर पुस्तिका (हिन्दी, उर्दू एवं अंग्रेजी) इत्यादि मुद्रण एवं आपूर्ति हेतु विभिन्न शर्तों एवं बंधेज के साथ मुहरबंद निविदा (तकनीकी एवं वित्तीय) अलग–अलग केवल प्रतिष्ठित एवं स्थापित मुद्रकों से आमंत्रित किया जाता है।

क्रमांक	मुद्रण सामग्री	मुद्रण हेतु अनुमानित Leaf (दोनो तरफ मुद्रण)
1	प्रश्न पत्र (वर्ग 1 से 7 के लिए)	25,00,000

(क) तकनीकी बीड के लिए आवश्यक शर्तें /कागजातः–
1. ऑफसेट प्रिंटर /अन्य प्रकार के प्रिंटर मशीन की मिनिमम रनिंग स्पीड (12000 IPH) से संबंधित दस्तावेज
2. अग्रधन के रूप में कुल 50,000/– (पचास हजार) रूपये का बैंक ड्राफ्ट JHARKHAND EDUCATION PROJECT, RANCHI के नाम से प्रतिभूति रकम के रूप में जमा करना अनिवार्य होगा।
3. निविदादाता को GST निबंधन पत्र, अद्यतन जी.एस.टी रिर्टन प्रमाण पत्र, वित्तीय वर्ष (2022–23, 2023–24 एवं 2024–25) आयकर रिर्टन प्रमाण पत्र देना अनिवार्य होगा।
4. पैन कार्ड की स्वअभिप्रमाणित छाया प्रति। वित्तीय वर्ष (2022–23, 2023–24 एवं 2024–25) में औसतन 01 करोड़ का टर्नओभर प्रमाण पत्र देना अनिवार्य होगा।
5. निविदादाता को निविदा के साथ कागज का नमूना GSM विवरण के साथ (स्वअभिप्रमाणित) संलग्न करना अनिवार्य होगा।
6. परीक्षा के प्रश्न पत्र के मुद्रण एवं वितरण से संबंधित अनुभव प्रमाण पत्र/कार्यादेश की प्रति।
7. न्यायालय द्वारा सजायाप्ता/काली सूची में नहीं होने का नोटरी स्तरीय शपथ पत्र।

(ख) वित्तीय बीडः निविदा पत्र के साथ संलग्न प्रपत्र में

अन्य शर्तेः–
1. पैकेजिंग विषयवार, वर्गवार, विद्यालयवार एवं संकुलवार करने की सम्पूर्ण जवाबदेही संबंधित निविदादाता/आपूर्तिकर्त्ता की होगी।
2. प्रश्न पत्र की छपाई में त्रुटि तथा अधोहस्ताक्षरी द्वारा उपलबध कराये गये संख्या के आधार पर पैकेजिंग में त्रुटि पाये जाने पर या शिकायत प्रमाणित होने पर कुल राशि का 10 प्रतिशत राशि या इससे अधिक की कटौती हेतु अधोहस्ताक्षरी स्वतंत्र होंगे।
3. निविदा का पूर्ण ब्यौरा एवं विभिन्न शर्तें दिनांक 19.02.2026 के 12 बजे अपराह्न तक मात्र 1000/– बैंक ड्राफ्ट जो Jharkhand Education Project, Ranchi के नाम से देय होगा, झारखण्ड शिक्षा परियोजना, मध्य विद्यालय, बी.एम.पी. डोरण्डा परिसर, राँची–2 से प्राप्त एवं जमा किया जा सकता है एवं उसी दिन 1.00 बजे अपराह्न क्रय समिति के समक्ष झारखण्ड शिक्षा परियोजना, मध्य विद्यालय, बी.एम.पी. डोरण्डा परिसर, राँची–2 के प्रकोष्ट में निविदादाताओं या उनके प्रतिनिधियों के समक्ष खोला जायेगा।
4. कार्यादेश निर्गत तिथि 07 दिनों के अंदर कुल 19 प्रखंड संसाधन केन्द्रों में सभी मुद्रित सामग्रियों का प्रखंडवार, संकुलवार, कक्षावार, विषयवार उपलब्ध करायी गई संख्या के आधार पर पैकेट बनाकर निश्चित रूप से आपूर्ति करना होगा जिसके लिए अलग से किसी भी प्रकार का परिवहन व्यय आदि अनुमान्य नहीं होगा। इस निमित्त परियोजना कार्यालय से कार्यादेश प्राप्त करते समय एकरारनामा हस्ताक्षर करना अनिवार्य होगा।
5. चयनित मुद्रक का प्रेस का स्थलीय सत्यापन भी किया जाएगा।
6. तकनीकी बीड में सफल मुद्रक का ही वित्तीय बीड खोला जाएगा।
7. निविदादाता को एक की दर सभी कर सहित अंकित करना होगा।
8. किसी भी समय बिना कारण बताये निविदा को अंशतः या पूर्णतः निरस्त या संशोधित करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को सुरक्षित होगा।

जिला शिक्षा अधीक्षक–सह–
अपर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, राँची

PR 372901 Human Resource Developement(25-26).D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

शोक सभाओं की भव्यता का दुर्भाग्यपूर्ण चलन

किसी भी सभ्य समाज की पहचान उसके उत्सवों से नहीं बल्कि उसके शोक से होती है। समाज दुःख को किस तरह ग्रहण करता है, उसे किस गरिमा और संवेदनशीलता के साथ व्यक्त करता है- यही उसकी मानवीय परिपक्वता का पैमाना है। दुर्भाग्यवश, आज हमारा समाज इस कसौटी पर खरा उतरता हुआ नहीं दिखता। शोक सभाएं, जो कभी दुःख बांटने और शोकाकुल परिवार को संबल देने का सहज माध्यम थीं, अब धीरे-धीरे भव्यता, प्रदर्शन और सामाजिक प्रतिस्पर्धा का मंच बनती जा रही हैं। आज देश के अनेक हिस्सों में प्रमुख अखबारों के पन्ने पलटते समय यह दृश्य सामान्य हो गया है कि एक ही व्यक्ति के लिए दस, बीस या पचास शोक संदेश एक ही दिन प्रकाशित हो रहे हैं। वे भी साधारण नहीं बल्कि रंगीन, बड़े फॉन्ट में, कई बार पूरे-पूरे पृष्ठों पर। शोक संदेश अब सूचना नहीं, बल्कि विज्ञापन का रूप ले चुके हैं। कभी छहझसात पंक्तियों का श्वेत-श्याम शोक संदेश ही यह बताने के लिए पर्याप्त होता था कि अमुक व्यक्ति का निधन हो गया है और अमुक स्थान पर शोक सभा आयोजित है। रिश्तेदार और परिचित बिना किसी तामझाम के पहुंच जाते थे। उस समय शोक की अभिव्यक्ति में सादगी थी, मौन था और आत्मीयता थी। समय के साथ यह सादगी कहीं खोती चली गई। आज शोक संदेश का आकार, उसका रंग, उसका स्थान और उसका खर्च- सब कुछ सामाजिक हैसियत का प्रतीक बन गया है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि मृत्यु जैसे अंतिम सत्य को भी हमने स्टेटस सिंबल में बदल दिया है। अब यह देखा जाता है कि किस परिवार ने कितना बड़ा शोक संदेश दिया, किसने रंगीन दिया और किसका संदेश पहले पन्ने पर छपा।

शोक सभाओं का स्वरूप भी इसी प्रवृत्ति का प्रतिबिंब बन गया है। अब साधारण बैठक या घर के आंगन में बैठकर संवेदना प्रकट करने का चलन कम होता जा रहा है। उसकी जगह विशाल मंडप, सजे हुए पंडाल, सफेद पर्दे, कालीन और भव्य साज-सज्जा ने ले ली है। कई बार तो शोकसभा किसी बड़े बैंक्वेट हॉल या मैरिज गार्डन में आयोजित की जाती है, जहां का वातावरण शोक से अधिक किसी सामाजिक समारोह जैसा प्रतीत होता है। मंच पर मृतक का बड़ा, सुसज्जित चित्र रखा जाता है, पुष्पमालाओं और सजावटी रोशनी के बीच। शोकाकुल परिवार के सदस्य भी पूरी तरह सज-संवरकर आते हैं। उनका पहनावा, उनकी देहभाषा और उनका व्यवहार किसी गहरे दुःख की अनुभूति नहीं कराता। ऐसा नहीं है कि वे दुःखी नहीं हैं लेकिन शोक की वह स्वाभाविक सादगी, वह मौन पीड़ा, इस भव्यता में दब जाती है। शोकसभा में उपस्थित लोगों की संख्या अब संवेदना का नहीं बल्कि प्रतिष्ठा का पैमाना बन चुकी है। कितने लोग आए, कितनी गाड़ियां आईं, कितने नेता पहुंचे, कितने अधिकारी आए- इन सबकी गिनती और चर्चा होती है। शोकसभा समाप्त होने के बाद भी यह मूल्यांकन चलता रहता है कि ह्लअमुक व्यक्ति तो आया ही नहींह्व या ह्लफलां बड़े साहब भी पहुंचे थे।ह्व मानो शोकसभा मृतक के प्रति श्रद्धांजलि न होकर सामाजिक शक्ति प्रदर्शन का अवसर हो। यह प्रवृत्ति केवल तथाकथित उच्च वर्ग तक सीमित नहीं रही है। छोटे और मध्यमवर्गीय परिवार भी अब इस होड़ में शामिल होते जा रहे हैं। वे जानते हैं कि इस तरह का आयोजन उनकी आर्थिक क्षमता से बाहर है, फिर भी सामाजिक दबाव के कारण वे पीछे हट नहीं पाते। परिणामस्वरूप शोकसभा, जो मानसिक संबल देने का अवसर होनी चाहिए, आर्थिक बोझ में बदल जाती है। कई परिवार इस बोझ को उठाने में कठिनाई महसूस करते हैं, लेकिन ह्ललोग क्या कहेंगेह्व के भय से मजबूरी में यह सब करते हैं। इस भव्य आयोजन में खानपान की व्यवस्था भी एक महत्वपूर्ण तत्व बन गई है। चाय, कॉफी, मिनरल वाटर, नाश्ता और कई बार भोजन तक की व्यवस्था की जाती है। इन व्यवस्थाओं की गुणवत्ता और विविधता पर भी ध्यान दिया जाता है। यह दृश्य उस मूल भावना से बिल्कुल विपरीत है, जिसके तहत शोकसभा का आयोजन किया जाता है। शोकसभा का उद्देश्य लोगों को खिलाना नहीं बल्कि शोकाकुल परिवार के दुःख में सहभागी बनना है। शोकसभाओं में शामिल होने वाला व्यक्ति भी कई बार असमंजस में पड़ जाता है। वातावरण देखकर यह महसूस ही नहीं होता कि वह किसी शोकसभा में आया है। नए-नए रिवाज गढ़ लिए गए हैं, जबकि पुराने, सरल और गरिमामय रिवाज धीरे-धीरे लुप्त होते जा रहे हैं। एक और चिंताजनक पहलू यह है कि पुण्य स्मृति और पुण्य तिथि जैसे अत्यंत निजी भाव भी अब सार्वजनिक प्रदर्शन का माध्यम बनते जा रहे हैं। किसी प्रियजन को याद करना व्यक्तिगत अनुभूति है। उसकी स्मृति मन में, परिवार के बीच और सादगी के साथ जीवित रहनी चाहिए। फिर यह आवश्यकता क्यों महसूस होती है कि बरस-दर-बरस अखबारों में बड़े-बड़े विज्ञापन देकर पूरे समाज को बताया जाए कि आप आज भी अपने प्रिय को याद करते हैं? क्या स्मरण का मूल्य उसके प्रचार में निहित है? यह प्रश्न केवल परंपरा का नहीं, बल्कि संवेदनशीलता का भी है। जब निजी दुःख सार्वजनिक दिखावे में बदल जाता है, तो उसकी आत्मा खो जाती है। शोक, जो आत्ममंथन और विनम्रता का अवसर होना चाहिए, वह अहं और प्रदर्शन का साधन बन जाता है। समय आ गया है कि समाज इस प्रवृत्ति पर गंभीरता से विचार करे। हमें यह समझना होगा कि मृत्यु किसी की सामाजिक हैसियत नहीं पूछती। वह सबको समान बना देती है। ऐसे में शोक की अभिव्यक्ति भी समान, सरल और गरिमामय होनी चाहिए। शोकसभा का उद्देश्य मृतक के प्रति श्रद्धांजलि देना और जीवितों को सांत्वना देना है, न कि समाज के सामने अपनी सामर्थ्य का प्रदर्शन करना। मीडिया, सामाजिक नेतृत्व और स्वयं समाज को मिलकर इस दिशा में आत्मसंयम दिखाना होगा।

अखबारों को भी यह सोचना चाहिए कि शोक संदेशों को विज्ञापन के रूप में बढ़ावा देना कहीं इस प्रवृत्ति को और तो नहीं बढ़ा रहा। सामाजिक प्रतिष्ठा का मापदंड शोक संदेशों के आकार से नहीं बल्कि मानवीय संवेदना से तय होना चाहिए।

अंततः, शोक का सबसे सुंदर स्वरूप वही है जिसमें कम शब्द हों, कम दिखावा हो और अधिक संवेदना हो। मौन में कही गई बात, भव्य मंच से बोले गए भाषण से कहीं अधिक गहरी होती है।

शोक सभाएं अत्यंत सादगीपूर्ण होनी चाहिए। यही मृतकों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है और यही संवेदनशील समाज की पहचान भी।

इस्लामिक आतंकवाद का अदृश्य हथियार हैं महिलाएं

यूएन की जो टीम, अल-कायदा, आईएसआईएल और उनके सहयोगियों पर नजर रखती है, दरअसल वे स्पष्ट कह रही हैं कि आतंकवादी महिलाओं का ऑनलाइन भर्ती, फंडिंग, लॉजिस्टिक्स और यहां तक कि ऑपरेशनल भूमिकाओं में इस्तेमाल कर रहे हैं। यूएनओडीसी और यूएन वुमन की रिपोर्टें बताती हैं कि महिलाएं कभी पीड़ित के रूप में, कभी समर्थक और कभी सक्रिय भागीदार के रूप में उभरती हैं।

मयंक

व पिछले कई दशकों से इस्?लामिक आतंकवादी संगठन महिलाओं को भर्ती कर रहे हैं और उनका क्रूर शोषण कर रणनीतिक लाभ उठा रहे हैं। यह समस्या अब इतनी विकट हो गई है कि ये किसी एक देश तक सीमित नहीं रही, आईएसआईएस से बोको हराम, जैश-ए-मोहम्मद तक हर संगठन ने महिलाओं को प्रचार, जासूसी, लॉजिस्टिक्स और आत्मघाती हमलों में झोंक दिया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) मॉनिटरिंग टीम की ताजा रिपोर्ट चेतावनी देती है कि इस्?लामिक आतंकवादी नेटवर्क ऑनलाइन प्रचार के जरिए किशोरियों और महिलाओं को लक्षित कर रहे हैं, जो वैश्विक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है।

इसमें भी सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस जटिल मुद्दे को कट्टरपंथ, राजनीतिक हिंसा और लैंगिक शोषण के व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए था, जिसका अब तक सर्वत्र अभाव नजर आता है। किंतु आज यूएनएससी की रिपोर्टें महिलाओं की बढ़ती भागीदारी पर गहरी चिंता व्यक्त कर रही हैं। यूएन की जो टीम, अल-कायदा, आईएसआईएल और उनके सहयोगियों पर नजर रखती है, दरअसल वे स्पष्ट कह रही हैं कि आतंकवादी महिलाओं का ऑनलाइन भर्ती, फंडिंग, लॉजिस्टिक्स और यहां तक कि ऑपरेशनल भूमिकाओं में इस्तेमाल कर रहे हैं। यूएनओडीसी और यूएन वुमन की रिपोर्टें बताती हैं कि महिलाएं कभी पीड़ित के रूप में, कभी समर्थक और कभी सक्रिय भागीदार के रूप में उभरती हैं। इस संदर्भ में 2018 और 2022 की यूएनएससी काउंटर-टेररिज्म कमिटी की चचाओं ने जोर दिया कि 'वन-साइज-फिट्स-ऑल' दृष्टिकोण यहां काम नहीं करता। हालिया 37वीं रिपोर्ट (फरवरी-2026) में जैश-ए-मोहम्मद के महिला विंग 'जमात-उल-मोमिनात' का खुलासा हुआ है, जिसकी घोषणा मसूद अजहर ने आठ अक्टूबर 2025 को की थी। यह विंग महिलाओं को प्रशिक्षित कर हमलों में सहायता प्रदान करने का लक्ष्य रखता है, जो सुरक्षा एजेंसियों की नजर चकमा देने की रणनीति है। दिल्ली के लालकिला मेट्रो स्टेशन धमाके (10 नवंबर 2025, 15 मौतें) और जुलाई 2025 के पहलगाम हमले (26 मौतें) से इसका सीधा संबंध प्रमाणित हो चुका है। वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखें तो आईएसआईएस ने 'अल-खांस ब्रिगेड' जैसी महिला इकाइयां बनाकर प्रचार और निगरानी में उनका उपयोग किया। मिया ब्लूम की पुस्तक 'बॉम्बशेलः वुमेन एंड टेररिज्म' में लिखा भी इसलिए गया कि ह्लआतंकवादी संगठनों ने सीख लिया है कि महिलाएं रणनीतिक लाभ प्रदान करती हैं क्योंकि वे कम संदिग्ध मानी जाती हैं और सुरक्षा उपायों को बायपास कर सकती हैं।ह्व नाइजीरिया का बोको हराम साल 2014 के बाद सैकड़ों किशोरियों को जबरन आत्मघाती हमलों में धकेल चुका है। यूएनआईसीईएफ की 2017 की रिपोर्ट के अनुसार, ऐसे हमलों में लड़कियां बहुसंख्यक थीं।

दक्षिण एशिया, खासकर कश्मीर, इस शोषण का सबसे दर्दनाक केंद्र रहा है। निला अली खान की 'इस्लाम, वुमेन एंड वायलेंस इन कश्मीर' में कहा गया, ह्लसंघर्ष क्षेत्रों में महिलाएं उग्रवादी समूहों और राज्य ताकतों के बीच फंसकर राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का प्रतीक बन जाती हैं।ह्व फरहाना काजी की 'इनविजिबल मार्टर्स' चेताती है, ह्लमहिला आत्मघाती हमलावरों का कोई एक प्रोफाइल नहीं, उनके पीछे व्यक्तिगत आघात से राजनीतिक विश्वास तक कारक होते हैं।ह्व स्वाति पराशर का 'जेंडर, जिहाद एंड जिंगोइज्म' तर्क देता है कि महिलाएं हिंसा की शिकार ही नहीं, अपितु हिंसा की एजेंट भी हो सकती हैं।

भारत में पिछले 75 वर्षों (1951-2026) का इतिहास चिंताजनक है। 1990 के कश्मीरी पंडितों के विस्थापन से हुर्रियत, जेईएम और लश्कर-ए-तैयबा ने महिलाओं को कूरियर, हनीट्रैप और सुसाइड बॉम्बर बनाया। साउथ एशिया टेररिज्म पोर्टल दर्जनों मामलों का उल्लेख करता है, जहां महिलाओं को 'अदृश्य हथियार' के रूप में इस्तेमाल किया गया है। जमात-उल-मोमिनात आईएसआईएस-हमास की तर्ज पर वैश्विक अस्थिरता फैलाने में सक्रिय है, जो एलटीटीई की महिला स्क्वायड की याद दिलाता है। भारत सहित विश्व समुदाय के लिए चुनौती है, सुरक्षा कार्रवाइयों के साथ सामाजिक समरसता और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करने की ये चुनौती बहुत व्यापक है। भारत के प्रमुख मामलों पर नजर डालें तो इशरत जहां (2004) लश्कर की सुसाइड स्क्वायड मेंबर थी, जिसे गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी (अब प्रधानमंत्री) पर हमले के लिए डेविड हेडली ने मुजम्मिल बट के नेतृत्व में भेजा था। जो आज एनआईए जांच और हेडली के बयान से सिद्ध भी हो चुका है। 2006 में जेईएम की यासमीना अवंतीपोरा हाईवे पर पहली कश्मीरी महिला सुसाइड बॉम्बर बनी। उसी साल खलीदा अख्तर लश्कर के हनीट्रैप और हथियार प्रशिक्षण में लिप्त रही।

हाल के वर्षों में डॉ. शाहीन सईद (2025), लखनऊ की रहने वाली, जमात-उल-मोमिनात की रिक्रूटर साबित हुई। लालकिला ब्लास्ट से पहले गिरफ्तार, उसकी कार में राइफल और डीएनए से डॉ. उमर नबी का लिंक मिला। निघत सिद्दिकी हालिया श्रीनगर में लश्कर कमांडरों को तीन लाख रुपये देते हुए पकड़ी गई। ये मामले एनआईए, जेके पुलिस और यूएन रिपोर्टों से प्रमाणित हैं, हालांकि हर आरोप अदालती फैसले पर निर्भर है और जांच प्रक्रिया लंबी रहती है, अनेक मामलों में तो न्यायालय से अभी अंतिम निर्णय भी आना है, किंतु अनेक साक्ष्य एवं प्रमाण सामने आ चुके हैं कि कैसे महिलाओं को इस्लाम के नाम पर जिहाद को गैर मुसलमानों के प्रति हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है।

कई अन्य पुस्तकें हैं, जिसमें इस शोषण की मनोवैज्ञानिक गहराई उजागर की गई है। मुश्ताक उल हक की 'शैडोएड वर्ल्ड ऑफ टेररिज्म' कहती है कि ह्लमहिलाओं के हिंसक चयन के पीछे कोई एक कारण नहीं- दुख, विचारधारा और जबरदस्ती का जाल है।

आज ये सभी विश्लेषण साबित करते हैं कि महिलाओं को वर्तमान समय में सिर्फ पीड़ित मानना भूल होगी; वे बहुआयामी भूमिकाएं निभा रही हैं, आतंकवाद का हिंसक स्वरूप भी उन्हीं में से एक है। हालांकि यह भी सच है कि आतंकवाद और इस्लामिक पंथ के बीच मुख्यधारा के मजहबी विद्वान इन व्याख्याओं को अस्वीकार करते हैं। इनका मत है कि ह्यइस्लाम के नाम परह्न कहना सामाजिक ध्रुवीकरण बढ़ाता है और वास्तविक समस्या कट्टरपंथ से भटकाता है। किंतु अब इस सच को भी तो नहीं नकारा जा सकता कि जो घटनाएं हो रही हैं वे अधिकांशतः एक विशेष समुदाय की सहभागिता को ही बार-बार उजागर करती हैं।

महाकाल देवता ही नहीं वैज्ञानिक तथ्य भी

विक्रम की नगरी उज्जैन में महाकाल का सुप्रसिद्ध मन्दिर है। देश के अन्य किसी भाग में महाकाल का कोई मंदिर नहीं है। अत: निश्चय ही यह प्रश्न उपस्थित होता है कि यह 'महाकाल' कौन देवता हैं, जिसका केवल देशभर में एक मंदिर है। सामान्यतया 'महाकाल' शिव का पर्याय मान लिया गया है और उज्जैन के 'महाकाल' के मंदिर को शिव का मंदिर माना जाता है।

राजशेखर व्यास

भारतीय कथा-साहित्य में उज्जैन का राजा विक्रमादित्य बड़ा लोकप्रिय रहा है। उसके प्रसंग को लेकर हजारों कहानियाँ देश की विविध भाषाओं में प्रचलित हैं। उसके नवरत्नों की कथा भी सर्वविदित है, परंतु आश्चर्य की बात है कि ऐसे लोक प्रसिद्ध राजा के विषय में कथा-कहानियों के अतिरिक्त कोई जानकारी नहीं मिल पायी है। विदेशी इतिहासकार उसे केवल कल्पित राजा मानते हैं। भारतीय इतिहासकारों के मन में अवश्य उसे ऐतिहासिक महापुरुष मानने का मोह बना हुआ है। उन्होंने इसकी वास्तविकता को सिद्ध करने के लिए अनेक प्रकार के अन्वेषण अनुसंधान भी किए, फिर भी निश्चित रूप से उसके अस्तित्व को सिद्ध नहीं कर पाए हैं। विक्रम की नगरी उज्जैन में महाकाल का सुप्रसिद्ध मन्दिर है। देश के अन्य किसी भाग में महाकाल का कोई मंदिर नहीं है। अतः निश्चय ही यह प्रश्न उपस्थित होता है कि यह 'महाकाल' कौन देवता हैं, जिसका केवल देशभर में एक मंदिर है। सामान्यतया 'महाकाल' शिव का पर्याय मान लिया गया है और उज्जैन के 'महाकाल' के मंदिर को शिव का मंदिर माना जाता है। परंतु प्रश्न यह है कि शिव के अन्य मंदिर 'महाकाल' के मंदिर क्यों नहीं कहलाते? हमारे विचार से विक्रमादित्य, उज्जयिनी, नव-रत्न और महाकाल इन चारों शब्दों के निर्वचन से इसके वास्तविक अर्थ पर कुछ प्रकाश पड़ सकता है और सुप्रसिद्ध कथा की गुत्थी सुलझ सकती है।

भारतीय ज्योतिष विद्वान यह जानते हैं कि उज्जैन का सूर्योदय काल देशभर के पंचांगों के लिए प्रामाणिक उदयकाल माना जाता रहा है। भारतीय ज्योतिषियों के अनुसार दक्षिण में लंका, भारत के मध्य में उज्जैन और (संभवतः वर्तमान) रोहतक नगरों के मध्य से जाने वाली देशांतर रेखा का सूर्योदय काल प्रामाणिक सूर्योदय काल हैं, परिवर्तित ज्योतिष ग्रंथों में उसका नाम 'लंकोदय' काल रहा है। लंकोदय की देशांतर रेखा से पूर्व में तथा पिश्चम में स्थित स्थानों के सूर्योदय का काल ज्ञात करने की विधियाँ निर्धारित की हुई हैं। इस प्रकार उज्जयिनी का सूर्योदय काल देशभर के लिए प्रामाणिक सूर्योदय काल था और आधुनिक भाषा में उसे भारत का 'स्टैण्डर्ड टाइम' कहा जा सकता है।

ईसा पूर्व के ज्योतिषी संभवतया इसी को महाकाल कहते थे। विविध शास्त्रीय तथ्यों को देव रूप में स्वीकार करने की हमारे यहां परम्परा रही है। इसी परम्परा के अंतर्गत महाकाल (स्टैण्डर्ड टाइम) को देव रूप में दिया गया और उसके मंदिर की स्थापना उज्जयिनी में की गयी। उज्जयिनी को क्यों चुना गया, यह भी एक ज्वलंत प्रश्न है। जब एक ही देशांतर रेखा देश के इतने लंबे-चौड़े भाग से निकलती है, तो उज्जैन ही को क्यों महत्त्व दिया जाए, उत्तर यह है कि उज्जैन कर्क रेखा पर स्थित है, जहां तक उत्तरायण सूर्य आता है और पुनः लौटकर मकर रेखा तक दक्षिणगामी होता है। कर्क रेखा पर स्थित होने के कारण भारतीय ज्योतिर्विदों ने उज्जयिनी को महाकाल की नगरी माना।

विक्रमादित्य शब्द में दो खंड हैं विक्रम-आदित्य। आजकल विक्रम का अर्थ सामान्यतया 'पराक्रम' समझा जाता है ओर आदित्य का 'सूर्य'। इस प्रकार विक्रमादित्य का अर्थ शक्ति का सूर्य किया जाता है। परंतु विक्रम शब्द में क्रम धातु है, जिसका अर्थ है चलना। इसी से बना हुआ दूसरा शब्द 'संक्रम' है, जो सूर्य की गति के विषय में सर्वविदित है। सूर्य का संक्रम, संक्रमण और संस्कृति आधुनिक ज्योतिषियों के लिए अपरिचित शब्द नहीं है।

उज्जैन की व्युत्पत्ति इस समय उज्जयिनी में मानी जाती है। उज्जैन के प्राकृत नाम 'उज्जैणी' या 'उज्जैन नगरी' थे, जो स्पष्टतः संस्कृत 'उदयिनी' एवं 'उदयन नगरी' से व्युत्पन्न प्रतीत होते हैं। पुनः संस्कृतिकरण की यह प्रक्रिया 'कथा कथा सरित्सागर' आदि में बहुत अधिक पायी जाती है। उज्जैन वास्तव में विक्रमादित्य के उदय की नगरी थी। भारतीय कथा साहित्य का सुप्रसिद्ध उदयन भी सूर्य का ही अन्य नाम है, जिसका विवेचन आगे किया जायेगा।

इस प्रकार विक्रमादित्य महाकाल तथा उज्जयिनी की व्युत्पत्ति पर विचार करने से यही ज्ञात होता है कि विक्रमादित्य नाम का वास्तविक राजा नहीं था। वह दक्षिणगामी सूर्य का ही कल्पित नाम है और उसे राजा का स्वरूप दे दिया गया है। उसे राजा मानने पर उसकी राजधानी उयिनी अथवा उजैणी (बाद में उज्जयिनी) कल्पित की गयी और उसी नगरी का समय संपूर्ण देश के लिए प्रमाणिक समय होने के कारण 'महाकाल' कहलाया। इतने विवेचन के बाद नवरत्नों की कल्पना भी स्पष्ट हो जाती है जो निःसंदेह नव ग्रह हैं।

एक नियत स्थान तक आगे बढ़कर वापस मूल स्थान तक पहुंचना सिंह विक्रांत कहलाता है। सिंह का स्वभाव शिकार करने के लिए कुछ दूर तक वन में आगे बढ़कर पुनः लौटने की क्रिया के लिये 'सिंह विक्रांत' या 'सिंह विक्रमण' शब्द प्रसिद्ध हुआ। कर्क राशि तक उत्तर दिशा में चलकर पुनः दक्षिण की ओर विक्रमण करने वाला सूर्य 'सिंह विक्रमी' हुआ। यही 'सिंह' राशि व्युत्पत्ति है। सूर्य 31 दिन तक कर्क राशि पर रहकर 32 वें दिन सिंह राशि पर पहुंचता है। यही सिंहासन बत्तीसी का रहस्य है। सूर्य सिंह राशि का स्वामी माना जाता है। कर्क तक आगे बढ़कर वह वापस लौटता है और अपने घर की राशि तक आकर वहां आसीन होता है। सूर्य की उत्तर दक्षिण यात्राएं नीचे स्पष्ट की जा रही हैं:-

सिंह के बाद सूर्य कन्या राशि में प्रवेश करता है (संभवतः प्राचीन भारतीय राशि विभाजन खगोल का नहीं भूमंडल का था। भूमि के जिस भाग पर सूर्य राशियाँ सीधी पड़ती थीं, वही राशि विशेष खंड का था। 'राशि' शुद्ध संभवतः 'रश्मि' के प्राकृत रूप 'रस्सियां', 'रश्शि' का पुनः संस्कृत रूप है। सतरंगी किरणों के कारण 'सप्ताश्व' सूर्य का रूपक भी इस 'रश्मि' शब्द से स्पष्ट होता है।)

उत्तर भारत के ईसा पूर्व कालीन आर्यों की दृष्टि से वह प्रदेश कुमारी कन्याओं का प्रदेश था। भारत का यह दक्षिण भू-भाग (अर्थात 16 अक्षांश से 8 अक्षांश का भू-भाग) कुमारी कन्याओं का प्रदेश माना जाता था। उस प्रदेश पर सीधी किरणें फेंकने वाला सूर्य कन्यार्क कहलाता था। कन्याओं के उस देश की स्मृति के रूप में आज भी कुमारी अन्नीप का दर्शनीय कन्याकुमारी का मन्दिर जगत प्रसिद्ध है।

वहां से दक्षिण की ओर बढ़ता हुआ सूर्य जब विषुवत रेखा पर पहुंच जाता है और वहां उसकी किरणें सीधी पड़ती हैं, वह तुला राशि पर पहुंचा हुआ माना जाता है। 'तुला' नाम बहुत सार्थक है। विषुवत रेखा पर जब सूर्य पहुंच जाता है और तो भूमंडल का उत्तर और दक्षिण का भाग बिल्कुल बराबर तुला हुआ होता है। यही तुला शब्द की सार्थकता है, उसके बाद आगे बढ़कर सूर्य जब वृश्चिक राशि पर पहुंचता है, तो उज्जयिनी पर पड़ने वाली सूर्य की किरणें उतनी ही वक्र होती हैं, जितना बिच्छू का डंक होता है। उससे आगे बढ़ने पर उज्जैन पर पड़ने वाली किरणें और भी अधिक वक्र हो जाती हैं और धनुष के समान दिखायी पड़ती हैं। यह 'धनु' का अर्थ है। उसके बाद समुद्र के मध्यगत मकर राशि तक पहुंच कर सूर्य का पुनः उत्तरायण प्रारंभ होता है। मकर का स्वभाव अगाध जल में पहुंच कर पुनः स्थल की और लौटने का है, यही 'मकर' राशि की सार्थकता है। वहां से संक्रमण करता हुआ सूर्व सर्वप्रथम जिस स्थल भाग के निकट आता है, वह स्थल भाग किसी समय सम्भवतः घड़े को घोण जैसा था और इसलिए 'कुम्भघोण' नाम से प्रसिद्ध है, जहां का स्थल भाग घड़े के घोण जैसा है। कुम्भ राशि का 'कुम्भघोण' संभवतः कोई द्वीप था, जो अगाध समुद्र में लुप्त हो गया है।

बिहार में 3.5 साल में बनेगा मां जानकी का भव्य मंदिर

साल 2024 में आयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी। जिसके बाद से अयोध्या में भक्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है। रोजाना लाखों की संख्या में श्रद्धालु भगवान श्रीराम के दर्शन के लिए अयोध्या पहुंच रहे हैं। मंदिर परिसर में दर्शन, सुविधाओं और सुरक्षा की बेहतर व्यवस्था है। जिससे कि भक्तों को किसी भी तरह की परेशानी न हो। बता दें कि राम मंदिर के निर्माण के बाद अब बिहार में मां सीता के मंदिर को लेकर चर्चा तेज है। बिहार के सीतामढ़ी जिले में स्थित पुनौरा धाम में मां जानकी का दिव्य और भव्य मंदिर बनाए जाने की तैयारी हो रही है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, यह वही स्थान है, जहां पर मां सीता का जन्म हुआ था। इस पवित्र तीर्थ स्थल पर अयोध्या के राम मंदिर की तर्ज में मां जानकी का विशाल मंदिर बनाया जाएगा। इस मंदिर के निर्माण के बाद यह जगह देश-विदेश से आने वाले भक्तों के लिए आस्था और आकर्षण का केंद्र बनेगा।

मंदिर बनने में कितना समय लगेगा

सीतामढ़ी के जानकी मंदिर का निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ाने का काम शुरू हो चुका है। बताया जा रहा है कि इस भव्य जानकी मंदिर को बनने में कुल 42 महीने यानी की करीब साढ़े तीन साल का समय लगेगा। वहीं मंदिर का डिजाइन पहले ही तय किया जा चुका है और सभी योजना भी तैयार है। जैसे-जैसे मंदिर निर्माण का कार्य आगे बढ़ेगा, वैसे-वैसे सीतामढ़ी की पहचान एक बड़े धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में बनती जाएगी।

,मंदिर निर्माण में किसी भी तरह की बाधा नहीं आए, इसके लिए जमीन का सीमांकन भी किया जा रहा है। जिस स्थान पर पहले जलजमाव की समस्या थी, वहां की मरम्मत का काम भी लगभग पूरा कर लिया गया है। मंदिर तक जाने वाली मुख्य सड़क पर पानी भरने की समस्या को भी दूर किया गया है। इससे भक्तों को आवागमन में किसी तरह की दिक्कत नहीं होगी।

मंदिर का शुरूआती काम

इसके साथ मंदिर और आसपास की सरकारी जमीन पर हुए अतिक्रमण को हटाए जाने की तैयारी की जा रही है। मंदिर के निर्माण से पहले सभी जरूरी योजनाओं को तैयार कर लिया गया है और काम भी शुरू हो चुका है। शुरूआती चरण का यह काम करीब 6 महीने में पूरे होने की उम्मीद जताई जा रही है। फिर मंदिर निर्माण का मुख्य काम शुरू हो जाएगा।

बढ़ेंगे रोजगार के मौके

मां जानकी का मंदिर न सिर्फ आस्था बल्कि बड़े धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में भी पहचान बनाएगा। अयोध्या की तरह यहां पर भी भक्तों की संख्या बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है। इससे आसपास के क्षेत्रों में रोजगार के नए मौके होंगे। साथ ही पर्यटन से जुड़े व्यवसायों को भी बढ़ावा मिलेगा। आने वाले समय सीतामढ़ी का पुनौरा धाम मां जानकी की भव्यता, दिव्यता और श्रद्धा का बड़ा प्रतीक बनकर उभरेगा। यहां पर भक्तों को अयोध्या जैसी आध्यात्मिक अनुभूति प्राप्त होगी।

टिप्स

स्टेस मेंटल हेल्थ पर पड़ रहा है बुरा असर

आज के समय में छोटे बच्चों से लेकर बड़े-बुजुर्गों तक हर उम्र के लोग डिप्रेशन का शिकार हो रहे हैं। आसपास फैली निगेटिविटी की वजह से लोगों को तनाव हो रहा है। आधुनिकता के इस दौर में लोगों का लाइफस्टाइल बिगड़ चुका है। विश्व भर में करीब 300 मिलियन लोग डिप्रेशन की समस्या से गस्त हैं। इसलिए हर व्यक्ति को न सिर्फ फिजिकली बल्कि मेंटली भी फिट होना जरूरी है। हर व्यक्ति के जीवन में विपरीत परिस्थितियां जरूर आती हैं। जब आप उन परिस्थितियों के हिसाब से नहीं ढल पाते हैं, तो व्यक्ति डिप्रेशन का शिकार हो जाता है। इन दिनों बढ़ता वर्क प्रेशर और भावनाओं पर कंट्रोल की कमी के कारण तनाव बढ़ रहा है। ऐसे में हर समय सोचना, नींद न आना, भूख का अचानक से बढ़ जाना या घर जाना इसके संकेत होते हैं। यह डिप्रेशन के शुरूआती लक्षण होते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको डिप्रेश के संकते और इससे बचने के उपाय के बारे में बताने जा रहे हैं।

डिप्रेशन के लक्षण
हर समय एकांत की तलाश में रहना
लोगों से कम बातचीत करना
किसी भी काम पर फोकस नहीं कर पाना
पूरी नींद न लेना
भूख बढ़ना या फिर कम हो जाना
हर समय उदास रहना
आत्म नियंत्रण की कमी होना
ऐसे कम करें तनाव
मजबूत रिलेशनशिप बनाएं
अकेलापन तनाव का कारण बनने लगता है। अकेलापन व्यक्ति को अंदर ही अंदर मानसिक रूप से खोखला बना देता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए यादृच्छिकीकरण की प्रक्रिया अत्यंत महत्वपूर्ण : उपायुक्त

साहिबगंज : नगर निकाय आम निर्वाचन-2026 के सफल एवं निष्पक्ष संचालन को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारीझसहझ उपायुक्त हेमंत सती व सामान्य प्रेक्षक की अध्यक्षता में एनआईसी कार्यालय में कर्मियों का द्वितीय यादृच्छिकीकरण किया गया। जबकि निर्वाचन कार्य में प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों एवं कर्मियों का कंप्यूटराइज्ड प्रणाली के माध्यम से पारदर्शी ढंग से द्वितीय चरण का रैंडमाइजेशन संपन्न कराया गया। उपायुक्त ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए यादृच्छिकीकरण की प्रक्रिया अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्वाचन से जुड़े सभी कार्य समयबद्ध एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न किए जाएं।द्वितीय यादृच्छिकीकरण के माध्यम से मतदान दलों का गठन कर उन्हें संबंधित मतदान केंद्रों के लिए आवंटित किया गया। पूरी प्रक्रिया सामान्य प्रेक्षक की उपस्थिति में संपन्न हुई, जिससे पारदर्शिता एवं निष्पक्षता सुनिश्चित की जा सके।मौके पर निवार्ची पदाधिकारी, उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, उप निर्वाचन पदाधिकारी सुनीता किस्कु सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

संयुक्त किसान मोर्चा की ओर से पूरे भारत में आम हड़ताल का आह्वान

साहिबगंज : केंद्रीय ट्रेड यूनियन एवं संयुक्त किसान मोर्चा की ओर से पूरे भारत में आम हड़ताल का आह्वान किया गया था।इसी क्रम में साहिबगंज सदर प्रखंड के मखमलपुर दक्षिण पंचायत भवन के समक्ष झारखंड राज्य किसान सभा व ट्रेड यूनियन की ओर से जियाउल हक की अध्यक्षता में एक दिवसीय धरना कार्यक्रम किया गया।यह यह धारणा केंद्र सरकार के द्वारा मजदूर एवं किसानविरोधी चार लेबर कोड लागू करने बीच विधेयक 2025 एवं विकसित भारत की राम जी रद्द करने को लेकर दिया गया।धरना में श्याम सुंदर पोद्दार,मोहम्मद दिलकश,इरफान अली,पीसकर शेख सहित कई लोग उपस्थित थे।

पुलिस ने नष्ट किया महुआ शराब

पाटन : पलामू जिले के पाटन थाना क्षेत्र में गुरुवार को अवैध महुआ शराब के धंधे के विरुद्ध पुलिस ने अभियान चलाया। छापेमारी अभियान के दौरान 250 किलोग्राम महुआ जावा एवं 15 लीटर महुआ शराब नष्ट किया गया है। थाना प्रभारी शशिशेखर पांडेय ने बताया की विधि-व्यवस्था संधारण एवं क्षेत्र भ्रमण के क्रम में पाटन थाना क्षेत्र के रहमत नगर बनरचुईया ढोढा के पास अवैध महुआ शराब के धंधे के खिलाफ कार्रवाई की गई। आरोपियों को चिह्नित किया जा रहा है ताकि सख्त कार्रवाई की जा सके।

निकाय चुनाव में लगाये गए शिक्षकों ने मचाया हंगामा

पलामू : मेदिनीनगर में शिक्षकों को मतदान कर्मियों के रूप में फोटो खिंचवाने के लिए बुलाया गया, लेकिन केवल एक फोटोग्राफर के कारण अव्यवस्था फैल गई। शिक्षकों ने हंगामा किया, जिसके बाद जिला शिक्षा अधीक्षक ने व्यवस्था बदलकर फोटो खींचने का कार्य जीएलए कॉलेज कैंपस में कराने का आदेश दिया।

निकाय चुनाव में लगाये गए शिक्षकों ने मचाया हंगामा

मेदिनीनगर % नगर निकाय (आम) 2026 में मतदान कर्मियों के रूप में शिक्षकों को लगाया है। गुरुवार को उप विकास आयुक्त के सभागार में कर्मियों की फोटोग्राफी होनी थी। वहां पर एक मात्र फोटोग्राफर मौजूद था। वहीं करीब साढ़े तीन सौ से अधिक शिक्षक फोटो खिंचवाने के लिए जुटे थे। अव्यवस्था देखकर शिक्षकों (मतदान कर्मी) हंगामा करने लगे। जिला शिक्षा अधीक्षक संदीप कुमार हंगामा होता देख वहां देखने पहुंचे तो काफी भीड़ देखकर लौट आएं। वहीं कुछ देर बाद दो पुलिस कर्मी पहुंचे हंगामा को शांत कराने की कोशिश किया,परंतु दो पुलिस कर्मी विफल साबित हो गए। शिक्षकों का कहना है कि जब व्यवस्था नहीं तो एक साथ इतने शिक्षकों को आई कार्ड बनाने के लिए फोटो खिंचवाने के लिए क्यों बुला लिया गया।

इस भीड़ में एक फोटो ग्राफर सभी का फोटो कैसे खिंच पाएगा। जिला शिक्षा अधीक्षक कुछ शिक्षक नेता को बुलाकर माहौल को ठीक कराने का प्रयास किया,परंतु इसके बाद में माहौल शांत नहीं हुआ। दोपहर 12 बजे तक हंगामा होता देख उप विकास के आदेश पर जिला शिक्षा अधीक्षक ने अपने कर्मियों से सभी शिक्षकों को कहलवाया कि अब फोटो का कार्य जीएलए कॉलेज कैंपस में होगा। इस कारण सभी शिक्षक जीएलए कॉलेज कैंपस में जाएं। इसके बाद वहां पर मौजूद सभी शिक्षक फोटो खिंचवाने के लिए जीएलए कॉलेज कैंपस गए।

अवैध बालू लदा दो ट्रैक्टर जब्त

पलामू : पाटन थाना पुलिस ने अवैध बालू के धंधे पर कार्रवाई करते हुए एक ट्रैक्टर जब्त किया। यह ट्रैक्टर सहदेवा-लेस्लीगंज रोड पर बिरहोरी गांव के पास पकड़ा गया। चालक मौके से भाग गया। बीडीओ अमित झा ने भी एक अन्य ट्रैक्टर जब्त कर संबंधित थाना प्रभारी को सौंपा। रिपोर्ट जिला खनन कार्यालय को भेजी जा रही है।

अवैध बालू लदा दो ट्रैक्टर जब्त

पाटन। बालू का अवैध धंधा के मामले में कार्रवाई करते हुए पाटन थाना की पुलिस ने बुधवार को एक ट्रैक्टर को जब्त कर थाना ले लाई है। थाना प्रभारी शशिशेखर पांडेय ने बताया है कि अवैध बालू लदा ट्रैक्टर सहदेवा-लेस्लीगंज रोड पर बिरहोरी गांव के पास जब्त की गई है। अमानत नदी घाट से बालू का अवैध रूप से उठाव का परिवहन किया जा रहा था। चालक पुलिस को देखकर भाग निकला। पाटन के बीडीओ सह प्रभारी सीओ अमित झा ने भी बुधवार की शाम में कसवाखाड़ से अवैध बालू लदा ट्रैक्टर जब्त कर नावाजयपुर थाना प्रभारी को सौंपा है। दोनों से संबंधित रिपोर्ट जिला खनन कार्यालय को भेजी जा रही है।

अनुकम्पा समिति की बैठक में हुआ 23 मामलों पर हुआ विचार

संवाददाता

दुमका : सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय में गुरुवार को कुलपति प्रो. कुनुल कंदीर की अध्यक्षता में अनुकम्पा समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय में लगभग तीन वर्षों के अंतराल के बाद यह बैठक आहूत की गई। इससे पूर्व अंतिम बैठक 24 जनवरी 2023 को तत्कालीन कुलपति प्रो. सोना झरिया मिंज के कार्यकाल में संपन्न हुई थी।

बैठक की शुरूआत पूर्व बैठक के निर्णयों की संपुष्टि तथा कुलसचिव डॉ. राजीव रंजन शर्मा के स्वागत के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय के विभिन्न अंगीभूत एवं संबद्ध महाविद्यालयों में कार्यरत दिवंगत कर्मचारियों के कुल 23 आश्रितों के अनुकम्पा नियुक्ति संबंधी आवेदनों पर विस्तार से विचार किया गया।

इन 23 आवेदनों में से समिति द्वारा 16 आवेदनों को सशर्त स्वीकृति प्रदान की गई। कुछ आवेदन निर्धारित समय-सीमा के बाद जमा किए जाने के कारण अस्वीकृत किए गए, जबकि कुछ मामलों में न्यूनतम योग्यता पूर्ण नहीं होने अथवा आवश्यक दस्तावेज संलग्न नहीं रहने के कारण आवेदन निरस्त अथवा लंबित रखे गए।

एक ही कर्मचारी के दो उत्तराधिकारी (पत्नी एवं पुत्र) के मामले में राज्य सरकार के संकल्प के आलोक में समिति द्वारा पत्नी को प्राथमिकता देते हुए उनके दावे को अनुमोदित किया गया। वहीं, एक अन्य प्रकरण में उत्तराधिकारी पुत्र की आयु 18 वर्ष से कम होने के कारण कर्मचारी की पत्नी के आवेदन को यह कहते हुए स्वीकार किया गया कि पुत्र के योग्य होने पर पुनः आवेदन किया जा सकेगा।

जिन 16 आवेदनों को सशर्त स्वीकृति दी गई है, उनमें से जिन आवेदकों का शपथ-पत्र (एफिडेविट) छह माह से अधिक पुराना हो चुका है, उन्हें प्रथम श्रेणी दंडाधिकारी से नया एफिडेविट जमा करने का निर्देश दिया गया है। इसके बाद ही नियुक्ति पत्र निर्गत किया जाएगा।

बैठक में एक सहायक प्राध्यापक के मामले पर भी विचार हुआ, जिनकी नियुक्ति के बाद परिवीक्षा अवधि (प्रोबेशन पीरियड) के दौरान कोविड संक्रमण से मृत्यु हो गई थी। चूंकि उनकी सेवा अभी स्थायी नहीं हुई थी और उनकी पत्नी अनुकम्पा नियुक्ति का दावा कर रही हैं, इसलिए समिति ने इस विषय में राज्य सरकार से मार्गदर्शन प्राप्त करने का निर्णय लिया।

समिति ने 16 स्वीकृत मामलों में से 4 अभ्यर्थियों को उनकी योग्यता के आधार पर चतुर्थ श्रेणी तथा 12 अभ्यर्थियों को तृतीय श्रेणी में नियुक्त करने का निर्णय लिया।

बैठक में अनुकम्पा समिति के सदस्य डॉ. बसंत कुमार गुप्ता ने सुझाव दिया कि भविष्य में बैठक से पूर्व सभी महाविद्यालयों के प्राचार्यों को पत्र भेजा जाए, ताकि आकस्मिक मृत्यु प्राप्त कर्मचारियों के आश्रित समय पर अपना दावा प्रस्तुत कर सकें। वहीं आमंत्रित सदस्य वित्त पदाधिकारी डॉ. संजय कुमार सिन्हा ने यह सलाह दी कि सभी अनुकम्पा नियुक्त कर्मचारियों का दस्तावेज सत्यापन उनके संबंधित कॉलेज अथवा विद्यालय से कराए जाने के उपरांत ही सेवा की पुष्टि की जाए।

बैठक में डीएसडब्ल्यू डॉ. जैनेंद्र यादव, कुलानुशासक डॉ. राजीव कुमार, कुलसचिव डॉ. राजीव रंजन सिन्हा, वित्त पदाधिकारी डॉ. संजय कुमार सिन्हा, सीसीडीडी डॉ. अब्दुस सत्तार, मानविकी संकाय के अधिष्ठाता डॉ. बसंत कुमार गुप्ता, डॉ. विजय कुमार तथा दुमका के जिला कल्याण पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. कुनुल कंदीर ने बैठक के दौरान सेवाकाल में दिवंगत कर्मचारियों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए विश्वविद्यालय कार्यालय को निर्देश दिया कि नियुक्ति से संबंधित सभी प्रक्रियाएं शीघ्र पूर्ण की जाएं। उन्होंने कहा कि इन नियुक्तियों से विश्वविद्यालय में गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की कमी कुछ हद तक दूर होगी।

बता दे कि विश्वविद्यालय में तृतीय श्रेणी के कुल 460 स्वीकृत पद हैं, जिनमें वर्तमान में मात्र 56 कर्मी कार्यरत हैं, जबकि शेष सभी पद रिक्त हैं। विश्वविद्यालय की स्थापना के बाद अब तक सीधी बहाली नहीं हुई है और वर्तमान में कार्यरत अधिकांश कर्मचारी अनुकम्पा नियुक्ति के माध्यम से ही बहाल किए गए हैं।

खेलो इंडिया ट्राइवल गेम्स एथलेटिक्स द्वितीय चरण के चयन के लिए एमानुएल किस्कू रांची रवाना

मेजबान झारखंड समेत देश भर के 22 राज्य करेंगे शिरकत

प्रतिभागिता के आयोजन को लेकर जिले के योगेश यादव एवं मनोज कुमार तकनीकी पदाधिकारी किए गए हैं नामित

संवाददाता

साहिबगंज : भारत सरकार युवा और खेल मंत्रालय द्वारा खेलो इंडिया ट्राइवल गेम्स के प्रथम संस्करण के आयोजन 28 फरवरी, 2026 से छत्तीसगढ में निर्धारित है। इस प्रतियोगिता के लिए झारखंड टीम के चयन को

लेकर झारखंड खेल प्राधिकरण, रांची द्वारा 09 फरवरी को झारखंड राज्य टीम का चयन किया गया था जिसमें एमानुएल किस्कू 110 मीटर हर्डल्स एवं 4 गुणा 100 मीटर रिले हुए झारखंड टीम में स्थान बनाने में कामयाब रहे थे।पुनः भारत सरकार युवा और खेल मंत्रालय के द्वारा खेल विभाग, झारखंड सरकार के सहयोग से 14 एवं 15 फरवरी को बिरसा मुंडा स्टेडियम, मोराबादी, रांची में द्वितीय चरण का चयन प्रतियोगिता आयोजित किया जा रहा है जिसमें झारखंड राज्य की ओर से भागेदारी हेतु आवासीय बालक एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्र, साहेबगंज के ट्रेनी एमानुएल किस्कू रांची रवाना हुए।रांची में आयोजित द्वितीय चरण के चयन में मेजबान झारखंड समेत देश भर के 22 राज्यों के एथलीट भाग लेंगे।जिसमें संथाल परगना प्रमंडल से एक मात्र पुरुष प्रतिभागी के रूप में एमानुएल किस्कू राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे।वहीं इस प्रतियोगिता के आयोजन को सफल बनाने हेतु खेल प्रशिक्षक योगेश यादव एवं शिक्षा विभाग में कार्यरत मनोज कुमार को तकनीकी पदाधिकारी मनोनित किया गया है।उपायुक्त हेमंत सती, उपविकास आयुक्त सतीश चंद्रा,आई टी डी ए निदेशक संजय कुमार,अपर समाहर्ता गौतम भगत,जिला शिक्षा पदाधिकारी दुर्गा नंद झा,जिला खेल पदाधिकारी सह जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष समेत जिले के खेल प्रेमियों ने शुभ कामना दी।

सरकार की जनहितकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं

संवाददाता

साहिबगंज : बोरियो प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत आंगनवाड़ी केन्द्र लोहंडा पड़ड़ा में जनकल्याणकारी योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं लाभुकों को त्वरित लाभ उपलब्ध कराने हेतु विशेष शिविर का सफल आयोजन किया गया।शिविर में मुख्यमंत्री जन-कल्याण योजना, पोषण अभियान, बाल विकास परियोजना और अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं की विस्तृत जानकारी ग्रामीणों को दी गई। पात्र लाभुकों का आधार से मोबाइल लिंक, विभिन्न योजनाओं हेतु ऑन-द- एसपीओटी पंजीकरण किया गया।कार्यक्रम में संबंधित विभागों के पदाधिकारियों, पर्यवेक्षकों एवं आंगनवाड़ी सेविकाओं की सक्रिय भागीदारी रही। शिविर के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर योजनाओं की जानकारी प्राप्त की व आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन कराया। कई लाभुकों का आधार से मोबाइल नंबर सफलतापूर्वक जोड़ा गया। योग्य लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ दिलाने की प्रक्रिया प्रारंभ की गई।जिला प्रशासन द्वारा आमजन से अपील की गई है कि वे सरकार की जनहितकारी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाएं आवश्यक दस्तावेजों को अद्यतन रखें ताकि किसी भी योजना से वंचित न रहें।यह शिविर ग्रामीण क्षेत्र में सेवा-सुविधाओं को सुलभ एवं पारदर्शी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ।

शिवबारात के सफल आयोजन को लेकर डीसी ने की समीक्षा बैठक

बासुकीनाथ : आगामी महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर बासुकीनाथ धाम में श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को लेकर समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु बासुकीनाथ सभागार में गुरुवार को जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में अधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों एवं बाबा बासुकीनाथ मंदिर न्यास समिति के सदस्यों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में उपायुक्त श्री सिन्हा ने कहा कि बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित जलार्पण प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है, ताकि बासुकीनाथ धाम में उन्हें सुखद एवं सुगम अनुभव प्राप्त हो। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी संबंधित विभाग महाशिवरात्रि से पूर्व आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण कर लें। उन्होंने मंदिर प्रांगण, आसपास के क्षेत्र एवं शिवबारात रूटलाइन में बिजली, लाइटिंग, पेयजल, शौचालय, साफ-सफाई, सड़क, स्लैब, बैरिकेडिंग, स्वास्थ्य, अग्निशमन एवं सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने का निर्देश दिया। साथ ही अतिक्रमण मुक्त सड़क एवं यातायात के सुचारू संचालन सुनिश्चित करने को कहा। कार्यपालक अभियंता, विद्युत आपूर्ति प्रमंडल को मंदिर परिसर, शिवबारात रूटलाइन एवं मंदिरों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा विद्युत पोल व ट्रांसफॉर्मर की सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने का निर्देश दिया गया।

बैठक के पूर्व उपायुक्त श्री सिन्हा ने मंदिर परिसर एवं शिवबारात रूटलाइन का स्थलीय निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। बैठक में पुलिस अधीक्षक, सहायक समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी सहित अन्य उपस्थित थे।

नगर निकाय चुनाव को लेकर सभी वार्डों में राजनीतिक गतिविधियां जोरों पर

संवाददाता

साहिबगंज : नगर निकाय चुनाव की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है वैसे-वैसे सभी प्रत्याशियों का जनसंपर्क अभियान तेज हो गया है। 23 फरवरी को होने वाले नगर निकाय चुनाव को लेकर सभी वार्डों में राजनीतिक गतिविधियाँ चरम पर हैं।इसी क्रम में अध्यक्ष पद प्रत्याशी रामनाथ पासवान उर्फ छोटू पासवान लगातार घर-घर जाकर मतदाताओं से आशीर्वाद मांग रहे हैं।वही झरना कलोनी मजहर टोला, सहित जगहों मे जनसंपर्क के दौरान छोटू पासवान ने कहा कि यदि जनता उन्हें सेवा का अवसर देती है तो वे क्षेत्र की हर छोटी-बड़ी समस्या के समाधान के लिए दिन-रात मेहनत करेंगे और जनहित को सर्वोपरि रखकर काम करेंगे।जनसंपर्क अभियान में छोटू पासवान के समर्थक राजू अंसारी ने कहा कि छोटू पासवान एक जमीनी नेता हैं,जो जनता की समस्याओं को भली-भांति समझते हैं।नगर की जनता मजबूती के साथ उनके साथ खड़ा है और क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है।उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि इस बार रामनाथ पासवान उर्फ छोटू पासवान को एक बार सेवा का मौका दें,ताकि सभी वार्ड की बुनियादी समस्याओं का स्थायी समाधान किया जा सके।जनसंपर्क के दौरान स्थानीय लोगों में उत्साह देखने को मिला और कई जगहों पर लोगों ने समर्थन और आशीर्वाद देकर प्रत्याशी का हौसला बढ़ाया।

पुलिसकर्मियों की बेहतर दृष्टि न केवल उनकी व्यक्तिगत सेहत के लिए जरूरी है : एसपी

संवाददाता

साहिबगंज : पुलिस एसोसिएशन के तत्वावधान में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर अधिकारियों की आंखों की रोशनी संरक्षण पर दिया गया जोर पुलिस एसोसिएशन एवं मेंस एसोसिएशन शाखा साहिबगंज के तत्वावधान में दीप आई नेत्र अस्पताल साहिबगंज द्वारा 12 फरवरी को निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया।शिविर का उद्घाटन पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने फीता काटकर किया।इस अवसर पर जिले के पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने नेत्र जांच कराई।विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा आंखों की विस्तृत जांच के बाद जरूरतमंदों को निःशुल्क दवाइयां व चश्मे प्रदान किए गए।शिविर का उद्देश्य ड्यूटी के दौरान लगातार बढ़ते कार्यभार

और तनाव के बीच पुलिसकर्मियों की आंखों की रोशनी को सुरक्षित रखना था।पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने कहा कि पुलिसकर्मियों की बेहतर दृष्टि न केवल उनकी व्यक्तिगत सेहत के लिए जरूरी है।बल्कि कानून-व्यवस्था के प्रभावी संचालन के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।नियमित नेत्र जांच से समय रहते आंखों से जुड़ी समस्याओं की पहचान कर उनका उपचार संभव हो पाता है।शिविर में बड़ी संख्या में पुलिस पदाधिकारियों ने भाग लिया और इस पहल की सराहना करते हुए इसे स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में एक सराहनीय कदम बताया।मौके पर मुख्यालय डीएसपी विजय कुशवाहा,दीप अस्पताल के निदेशक डॉक्टर कुलदीप कुमार सहित अन्य लोग मौजूद थे।

शूटिंग से चंद दिनों पहले फाइनल हुई थीं तरनजीत कौर

अभिनेत्री तरनजीत कौर जल्द ही अपनी आगामी वेब सीरीज शबद: रीत और रिवाज में नजर आएंगी। पंजाब की पृष्ठभूमि पर आधारित इस सीरीज का निर्देशन अमित गुप्ता ने किया है। सीरीज में अभिनेत्री तरनजीत कौर अहम भूमिका में नजर आएंगी। अभिनेत्री ने हाल ही में सीरीज में अपने रोल को लेकर कुछ बातें शेयर कीं। उन्होंने बताया कि जब वे चंड़ीगढ़ अपने माता-पिता से मिलने गई थीं। उसी दौरान टीम की तरफ से ऑडिशन के लिए कॉल उन्हें आया था। उन्होंने कहा, मुझे यह रोल तब मिला जब मैं चंडीगढ़ में अपने माता-पिता से मिलने गई थी। मुझे मनजोत के रोल के लिए ऑडिशन का कॉल आया और मैंने अपना पहला ऑडिशन वीडियो भेज दिया था, जिसके बाद कुछ ही दिनों में मुझे बताया गया कि मेरा नाम शॉर्टलिस्ट हो गया है।

तरन ने ऑडिशन की आगे की प्रक्रिया विस्तार से बताते हुए कहा, मुझसे देर रात, लगभग 11 बजे, एक और ऑडिशन वीडियो भेजने के लिए कहा गया और आखिरकार मैंने इसे रात 1 बजे के करीब शूट करके भेज दिया। अभिनेत्री ने बताया कि देर रात उनके माता-पिता सो रहे थे, जिस वजह से वे वीडियो बनाने में झिझक रही थीं। उन्होंने कहा, वीडियो बनाते हुए शुरू में तो मुझे थोड़ा अजीब लग रहा था क्योंकि रात को मेरे माता-पिता सो गए थे और मैं उन्हें परेशान नहीं करना चाहती थी, लेकिन टीम वीडियो बनाने के लिए जोर दे रही थी क्योंकि शूट से पहले समय बहुत कम था। लगभग 2 से 2:30 बजे, मुझे डायरेक्टर और प्रोड्यूसर का कॉल आया जिन्होंने मुझे बताया कि मेरा नाम फाइनल हो गया है और पूछा कि क्या मैं सब कुछ फाइनल करने के लिए सुबह की फ्लाइट ले सकती हूं। तरन ने बताया कि उन्होंने टीम से दूसरे दिन मुंबई जाने के लिए मना कर दिया था। उन्होंने कहा, मुझे टीम को मना करना पड़ा क्योंकि मुझे लगा कि मेरे माता-पिता के लिए यह सही नहीं होगा कि वे उठें और देखें कि मैं अचानक गायब हो गई हूं।

कतर ओपन 2026 में बड़ा उलटफेर स्वियातेक और रायबकिना बाहर

एजेंसी

दोहा : कतर ओपन 2026 में गुरुवार को बड़े उलटफेर देखने को मिले, जब विश्व नंबर दो इगा स्वियातेक और ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन एलेना रायबकिना क्वार्टरफाइनल में हारकर टूनार्मेंट से बाहर हो गईं। टॉप सीड स्वियातेक को ग्रीस की मारिया सक्कारी ने 2-6, 6-4, 7-5 से हराया, जबकि 10वीं वरीयता प्राप्त कनाडा की विक्टोरिया एमबोको ने रायबकिना को 7-5, 4-6, 6-4 से मात दी। मारिया सक्कारी ने शानदार जुझारूपन दिखाते हुए मुकाबले में वापसी की। पहले सेट में पिछड़ने के बाद उन्होंने दूसरे और तीसरे सेट में बेहतरीन खेल दिखाया। निर्णायक सेट में मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जहां स्वियातेक ने एक मैच प्वाइंट बचाया, लेकिन अंततः सक्कारी ने अपने तीसरे मैच प्वाइंट पर जीत दर्ज की।

सक्कारी ने कहा, ह्लकाफी समय बाद मुझे इतनी बड़ी जीत मिली है। जब रैंकिंग गिरती है तो आत्मविश्वास डगमगा जाता है, लेकिन यह मानसिक प्रक्रिया का हिस्सा है ह्व

अब सक्कारी सेमीफाइनल में 14वीं वरीयता प्राप्त कारोलिना मुचोवा से भिड़ेंगी, जिन्होंने रूस की अन्ना कालिंस्काया को 6-3, 6-4 से हराया। स्वियातेक ने 2022, 2023 और 2024 में यह डब्ल्यूटीए 1000 खिताब जीता था, लेकिन इस बार उनका सफर क्वार्टरफाइनल में ही थम गया। पहले सेट में दो बार सर्विस ब्रेक कर उन्होंने मजबूत शुरूआत की थी, लेकिन सक्कारी ने शानदार वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। दूसरे क्वार्टरफाइनल में विक्टोरिया एमबोको ने अपनी ताकत और आत्मविश्वास का शानदार प्रदर्शन किया। 19 वर्षीय कनाडाई खिलाड़ी ने पहले सेट में तीन बार रायबकिना की सर्विस तोड़ी। अब एमबोको का सामना सेमीफाइनल में पिछले साल की उपविजेता जेलिना ओस्टापेंको से होगा, जिन्होंने इटली की एलिसाबेटा कोच्चियारेत्तो को 7-5, 6-4 से हराया।

कोपा डेल रे सेमीफाइनल: एटलेटिको मैड्रिड ने बार्सिलोना को 4-0 से रौंदा

एजेंसी

मैड्रिड : कोपा डेल रे सेमीफाइनल के पहले चरण में एटलेटिको मैड्रिड ने डिफेंडिंग चैंपियन बार्सिलोना को 4-0 से करारी शिकस्त देकर फाइनल की ओर मजबूत कदम बढ़ा दिए। घरेलू मैदान पर खेले गए इस मुकाबले में डिएगो सिमेओने की टीम ने पहले हाफ में ही चार गोल दागकर मैच लगभग एकतरफा कर दिया। मैच के छठे मिनट में बार्सिलोना के गोलकीपर जोआन गार्सिया की बड़ी गलती का एटलेटिको ने फायदा उठाया और बढ़त बना ली। इसके बाद 14वें मिनट में शानदार मूव के जरिए एंटोइन ग्रीजमैन ने दूसरा गोल दागा। 33वें मिनट में जूलियानो सिमेओने के क्रॉस पर एडेमोला लुकमैन ने तीसरा गोल किया। पहले हाफ के अंत से ठीक पहले लुकमैन और जूलियन अल्वारेज की बेहतरीन साझेदारी ने चौथा गोल दिलाया। हालांकि पहले हाफ में बार्सिलोना ने 70 प्रतिशत बॉल पजेशन रखा,

लेकिन एटलेटिको के तेज काउंटर अटैक के सामने वह बेअसर साबित हुआ। दूसरे हाफ में कोच हांसी फ्लिक ने रॉबर्ट लेवांडोव्स्की को मैदान पर उतारा, लेकिन इससे भी टीम की स्थिति में सुधार नहीं हुआ। 52वें मिनट में पाउ क्यूबर्सी ने फ्री-किक पर मिले रीबाउंड को गोल में बदला, लेकिन लंबी वीएआर समीक्षा के बाद इसे ऑफसाइड करार दिया गया। मैच के 86वें मिनट में एलेक्स बेएना को पीछे से गिराने पर बार्सिलोना के खिलाड़ी को पहले पीला कार्ड दिया गया, जिसे बाद में वीएआर की मदद से सीधे लाल कार्ड में बदला गया। एटलेटिको के डिफेंडर मार्कोस योरेंटे ने कहा, ह्लयह पागलपन था, खासकर बार्सा के खिलाफ। टीम ने हर चीज सही की – डिफेंस मजबूत रखा, हाई प्रेसिंग की और स्पेस का बेहतरीन इस्तेमाल किया ह्व

अब इस मुकाबले का दूसरा चरण 3 मार्च को कैंप नोउ में खेला जाएगा। इस सेमीफाइनल के विजेता का सामना फाइनल में रियल सोसिएदाद या एथलेटिक बिलबाओ से होगा। फिलहाल रियल सोसिएदाद 1-0 की बढ़त के साथ दूसरे चरण में उतरेगा।

सुनील थापा के निधन पर बोलीं प्रियंका चोपड़ा

आप हमेशा मेरे कोच सर रहेंगे

नेपाली सिनेमा के वेटरन अभिनेता सुनील थापा का 68 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। फिल्म मैरी कॉम में प्रियंका चोपड़ा के कोच का किरदार निभा चुके अभिनेता के निधन पर प्रियंका चोपड़ा आहत नजर आईं। उन्होंने थापा के प्रति अपनी भावनाओं को व्यक्त किया। सुनील थापा ने 250 से ज्यादा नेपाली फिल्मों में काम किया और खलनायक के रोल में अपनी अलग पहचान बनाई। वह बॉलीवुड में भी सक्रिय रहे और प्रियंका चोपड़ा की फिल्म 'मैरी कॉम' में उनके कोच का किरदार निभाया था। इसके अलावा, वह 'द फैमिली मैन 3' जैसी वेब सीरीज समेत और भी कई सफल फिल्मों का हिस्सा रहे। प्रियंका ने बताया कि उनके पिता के निधन के बाद सुनील थापा ने उन्हें बहुत सहारा दिया। उन्होंने उनके प्यार और मदद को याद करते हुए कहा कि वह हमेशा उनके कोच बने रहेंगे। उनके निधन की खबर से आहत प्रियंका चोपड़ा ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 'मैरी कॉम' फिल्म के एक सीन का वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, 'आप हमेशा मेरे कोच सर रहेंगे। जब मैंने अपने पापा को खो दिया था, तब आपने मुझे संभाला। आपने मुझे प्यार किया और बिना एहसास कराए कई मुश्किल दिनों में मेरी मदद की। आपकी एनर्जी और गर्मजोशी के साथ गले लगने की आदत और आपकी मुस्कान हमेशा मेरी यादों का हिस्सा रहेंगी। प्रियंका ने आगे लिखा, 'आप बहुत कम उम्र में चले गए, लेकिन कभी भुलाए नहीं जाएंगे। जब मैं भावनात्मक रूप से टूट गई थी, उस समय आपकी दयालुता और विनम्रता ने संभाला, उसके लिए धन्यवाद। सुनील थापा आरआईपी। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं परिवार और प्रियजनों के साथ हैं। सुनील थापा की तबीयत अचानक बिगड़ने पर उन्हें काठमांडू के थापाथली स्थित नॉर्विक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। जानकारी के अनुसार, सुनील थापा के निधन की वजह कार्डियक अरेस्ट बनी।

'व्हाट्सएप फैक्ट्रियां कहानी बना रहीं'

'स्पिरिट' से बाहर होने की खबरों पर प्रकाश राज ने तोड़ी चुप्पी संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बन रही फिल्म 'स्पिरिट' शुरू से चर्चा में है। पहले इस फिल्म में दीपिका पादुकोण लीड रोल अदा कर रही थीं। मगर, कुछ मतभेदों के चलते स्टाराकास्ट में बदलाव हुए और दीपिका की जगह तृप्ति डिमरी फिल्म का हिस्सा बनीं। प्रभास इस फिल्म में लीड रोल कर रहे हैं। बीते रविवार ऐसी खबरें सामने आईं कि दीपिका के बाद अब प्रकाश राज भी 'स्पिरिट' से हट गए हैं। फिल्म 'स्पिरिट' से अपने बाहर होने की अफवाहों को बढ़ता देख प्रकाश राज ने सोशल मीडिया पोस्ट शेयर कर इस पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट से आज सोमवार को एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें लोगों से अफवाहें न फैलाने की बात कही है।

'द मेहता बॉयज़' के एक साल: बोमन ईरानी के वो शब्द, जिन्होंने सब कुछ बदल दिया - अविनाश तिवारी

बुलबुल, खाकी: द बिहार चैप्टर और कई यादगार प्रोजेक्ट्स में अपने सधी हुई और गहराई भरी अदाकारी के लिए सराहे जा चुके अविनाश तिवारी ने 'द मेहता बॉयज़' में अमय मेहता के किरदार के ज़रिए दर्शकों के दिलों को छू लिया था। यह परफॉर्मेंस न सिर्फ़ खूब पसंद की गई, बल्कि अविनाश के करियर में एक और यादगार किरदार के रूप में दर्ज हो गई।

साल 2025 में रिलीज़ हुई 'द मेहता बॉयज़' को अब एक साल पूरा हो चुका है। इस मौके पर अविनाश ने उस फ़िल्म को याद किया, जो बिना शोर मचाए, क्रेडिट्स के बाद भी दर्शकों के साथ बनी रही। इस खास पड़ाव पर उन्होंने फ़िल्म और उस किरदार के सफ़र को याद करते हुए अपने दिल की बात साझा की। फ़िल्म और बोमन ईरानी के साथ काम करने के अनुभव पर बात करते हुए अविनाश कहते हैं, ''द मेहता बॉयज़' को रिलीज़ हुए एक साल हो गया है, लेकिन मैं आज भी इस फ़िल्म से गहराई से जुड़ा हुआ महसूस करता हूं। जिस पल ये कहानी मेरे पास आई, उसकी सच्चाई और भावनात्मक गहराई से मैं तुरंत जुड़ गया। अमय बहुत असली लगा - खामियों से भरा, नाज़ुक, इंसानी। ऐसे में इसे ना कहना मेरे लिए मुमकिन ही नहीं था। मुझे याद है, मैंने खुद से कहा था, 'अगर तुम खुद को सच में कलाकार कहते हो, तो इसे जाने नहीं दे सकते,' और मैंने बिना हिचक हां कर दी। बोमन ईरानी के साथ काम करना बेहद खास अनुभव रहा। एक अभिनेता और निर्देशक, दोनों रूपों में वो कमाल के हैं और लगातार मुझे खुद को और आगे ले जाने के लिए प्रेरित करते रहे। वो अक्सर मुझसे कहते थे, 'अरे, ढाई एक्टर नहीं है तेरे जैसे। अविनाश, बस खुलकर कर!' उस एक सोच ने सब कुछ बदल दिया और मुझे बिना डर के एक्सपेरिमेंट करने की आज़ादी मिल गई। वो आगे जोड़ते हैं, 'इस फ़िल्म को खास बनाता है ये तथ्य कि ये सिर्फ़ पिता-पुत्र की कहानी नहीं है। ये हर उस रिश्ते की झलक है, जो अहंकार, खामोशी और गलतफहमियों से गढ़े जाते हैं। जिन्होंने भी ये फ़िल्म देखी और मुझसे संपर्क कर बताया कि ये उन्हें कितनी गहराई से छू गई, उस प्यार के लिए मैं दिल से आभारी हूं। वो मेरे लिए बहुत मायने रखता है। '

सोशल मीडिया पर अनुपम खेर के नाम से फर्जीवाड़ा !

फेक अकाउंट के लिए अभिनेता ने दी चेतावनी

हिंदी सिनेमा के जाने-माने अभिनेता अनुपम खेर सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहते हैं। वह अपने विचार और रोजमर्रा की बातें अक्सर अपने प्रशंसकों के साथ साझा करते हैं। आम तौर पर वह अपने दिन की शुरुआत सुबह के प्रेरणादायक विचार के साथ करते हैं। लेकिन इस बार उन्होंने एक जरूरी चेतावनी दी है। ऐसा लग रहा है कि अभिनेता हाल ही में ऑनलाइन ठगी का शिकार होते-होते बचे हैं। इसी को लेकर उन्होंने एक वीडियो साझा किया है। वीडियो में अनुपम खेर ने अपने प्रशंसकों से अपील की है कि वे किसी भी तरह के झांसे में न आएं और सावधानी बरतें। दरअसल अनुपम खेर के नाम से सोशल मीडिया पर किसी ने नया अकाउंट किसी ने बनाया है और अकाउंट पर उनकी ऑरिजनल वीडियो पोस्ट हैं। उस अकाउंट से उनके करीबी लोगों को फॉलो करने की रिक्वेस्ट जा रही है। जब उनके दोस्तों ने अभिनेता से दूसरा अकाउंट खोलने का कारण पूछा, तब जाकर पता चला कि अकाउंट फेक है। अभिनेता ने वीडियो जारी कर बताया है कि उनका सिर्फ एक ही ऑरिजनल अकाउंट है। अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, 'कृपया ध्यान दें, मेरा केवल यही इंस्टाग्राम अकाउंट है। मेरे नाम से जुड़े किसी भी अन्य अकाउंट को फॉलो करने के अनुरोध को अनदेखा करें। सोशल मीडिया पर इन दिनों बॉलीवुड सेलेब्स के नाम से अकाउंट बनाकर पैसे ऐंठने के कई मामले सामने आए हैं। फर्जी अकाउंट्स से फिल्मों में निवेश कर मोटे फायदे का लालच दिया जाता है और लोग उनके झांसे में फंस भी जाते हैं। इसलिए अनुपम खेर ने फैंस से रिक्वेस्ट की है कि उनके नाम पर किसी भी फर्जी अकाउंट के झांसे में न आएं। सोशल मीडिया के अलावा, अभिनेता अपने करियर की 550वीं फिल्म 'खोसला का घोसला-2' की शूटिंग कर रहे हैं। फिल्म की शूटिंग गुरुग्राम में हो रही है। अनुपम शूटिंग की झलकियां सोशल मीडिया पर पोस्ट करते रहते हैं।

मुंबई के मालाड इलाके में टीवी अभिनेत्री नेहा मलिक को निशाना बनाकर की गई बड़ी ठगी का पर्दाफाश करते हुए कुरार पुलिस ने फर्जी पैकर्स एंड मूवर्स गैंग का भंडाफोड़ किया है। यह गिरोह खुद को नामी ट्रांसपोर्ट कंपनी बताकर लोगों का भरोसा जीतता था और फिर कीमती घरेलू सामान लेकर फरार हो जाता था। अभिनेत्री नेहा मलिक उर्फ खुशी चौधरी ने 27 दिसंबर में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिये 'इनफील्ड लॉजिस्टिक पैकर्स एंड मूवर्स' नामक कंपनी से संपर्क किया था।

टीवी अभिनेत्री नेहा मलिक को ठगने वाले फर्जी पैकर्स-मूवर्स गैंग बेनकाब

अभिनेत्री नेहा मलिक मुंबई के मालाड के माउली अपार्टमेंट में रहती थी। उन्हें कांदिवली के लोखंडवाला में नए फ्लैट में शिफ्ट होना था। अभिनेत्री को परिवार में शादी के लिए गहने, कपड़े और सामान लेकर यूपी जाना था। आरोपी वैभव सिंह ने खुद को कंपनी का मालिक बताकर कम कीमत में घर का सामान शिफ्ट करने का भरोसा दिया। आरोपी वैभव सिंह ने 4 जनवरी को यूपी में बैठकर अपने पहचान वाले मजदूरों को मूवर्स पैकर्स वाला बताकर मालाड ईस्ट स्थित माउली अपार्टमेंट में अभिनेत्री के घर भेजा। मजदूरों ने कपड़े, मेकअप किट, जूते, बैग, पेंटिंग्स, शीशे और कीमती एंटीक सामान सहित कुल सामान को 18 बैग में पैक किया। पूर्व में अभिनेत्री ने शिफ्टिंग के बदले 11,700 रुपए ऑनलाइन क्यूआर कोड से भेज दिए थे। कीमती सामान देखने के बाद शिफ्टिंग के लिए मजदूरों ने ज्यादा पैसे वसूलने का प्लान बनाया। अगले ही दिन आरोपियों ने वजन और साइज का बहाना बनाकर बिल 25,506 तक बढ़ा दिया। अभिनेत्री ने जब आपत्ति जताई और सामान लौटाने को कहा तो आरोपी टालमटोल करने लगे। कई बार संपर्क के बावजूद न तो सामान पहुंचाया गया और न ही वापस किया गया। मजदूरों ने अभिनेत्री के फ्लैट से उठाए सभी कीमती बॉक्स को मुंबई के अंधेरी साकीनाका समर्थ बिल्डिंग में छुपा दिया। अभिनेत्री के बार-बार पूछने पर भी आरोपी ने सामान नहीं दिया और फोन बंद कर दिए। इसके बाद अभिनेत्री ने कुरार पुलिस स्टेशन में मामले की शिकायत की। पुलिस ने जांच शुरू की और साकीनाका समर्थ बिल्डिंग से अभिनेत्री का सामान बरामद किया। कुरार पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संजीव तावड़े ने कहा कि पुलिस साकीनाका समर्थ बिल्डिंग पहुंची और तकनीकी निगरानी एवं जांच के आधार पर चोरी किया गया सामान एक गोदाम से बरामद किया। इसके बाद सर्च ऑपरेशन चलाकर आरोपी को गिरफ्तार किया गया और सामान की जब्ती की गई। पुलिस के मुताबिक, 28 जनवरी को छापेमारी कर पुलिस ने आरोपी विजय रामावतार पाल (40) को गिरफ्तार किया, जो पेशे से मजदूर है और गैंग का सक्रिय सदस्य बताया जा रहा है। विजय पाल सीधे तौर पर पैकिंग और ट्रांसपोर्टिंग में शामिल था। गैंग का मास्टरमाइंड वैभव सिंह समेत दो अन्य आरोपी फिलहाल फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। सारा सामान 2 फरवरी को अभिनेत्री को सौंप दिया गया। कुरार पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि पैकर्स एंड मूवर्स की सेवाएं लेते समय कंपनी की पूरी जांच-पड़ताल और दस्तावेज सत्यापित करें, क्योंकि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिये ठगी करने वाले गिरोह लगातार सक्रिय हैं।

पुलिस ने बरामद किया लाखों का सामान

विदिशा: 30 फीट गहरे तालाब में गिरी तेज रफ्तार कार, 3 बारातियों की मौत और 7 घायल

एजेंसी

विदिशा : मध्य प्रदेश के विदिशा जिले में गुरुवार देर रात बारातियों से भरी तेज रफ्तार टवेरा कार अनियंत्रित होकर 30 फीट गहरे सूखे तालाब में जा गिरी। हादसे में 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 7 अन्य लोग घायल हो गए, घायलों में दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के अनुसार गैरतगंज के जाफरखेड़ी निवासी दशरथ सिंह के यहां बारात आ रही थी। टवेरा कार में कुल 10 लोग सवार थे। देर रात अंधेरा होने और तेज रफ्तार के कारण ड्राइवर वाहन से नियंत्रण खो बैठा। देखते ही देखते कार सड़क से फिसलकर करीब 30 फीट नीचे सूखे तालाब में जा गिरी। हादसे में 35 वर्षीय राजेश लोधी, 30 वर्षीय सोनू लोधी (ड्राइवर) और 35 वर्षीय चंद्रशेखर की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं घायलों में अशोक लोधी (25) का बायां हाथ फ्रैक्चर हुआ है। 14 वर्षीय राज बोधी के पेट

में गंभीर चोट आई है। बृजेश लोधी (27) और सुदीप लोधी (20) के सीने में गंभीर चोटें हैं। 45 वर्षीय भावसिंह लोधी और 10 वर्षीय ऋतुराज लोधी की हालत नाजुक बताई जा रही है। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को विदिशा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। इनमें से एक घायल को देर रात गंभीर हालत में भोपाल रेफर करना पड़ा।

ग्रामीणों ने दिखाई मानवता

हादसा शादी वाले घर से करीब एक किलोमीटर दूर हुआ। तेज धमाके की आवाज सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे। कार में फंसे घायलों को बाहर निकालकर निजी वाहनों से जिला अस्पताल पहुंचाया। कई घायल खून से लथपथ थे–किसी के माथे से तो किसी के हाथ से लगातार खून बह रहा था।

कलेक्टर पहुंचे अस्पताल

घटना की सूचना मिलते ही कलेक्टर अंशुल गुप्ता जिला अस्पताल पहुंचे और घायलों का हालचाल जाना। उन्होंने घटनास्थल का भी निरीक्षण किया। एडीएम, तहसीलदार, सीएसपी, कोतवाली और सिविल लाइन थाना प्रभारी सहित अन्य अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे। सिविल सर्जन डॉ. अनूप वर्मा के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम ने तुरंत उपचार शुरू किया। डॉ. वर्मा ने बताया कि दो घायलों की हालत गंभीर है और उन्हें बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया है, जबकि अन्य घायलों का इलाज जिला अस्पताल में जारी है और वे फिलहाल खतरे से बाहर हैं।

भाजपा नेता के घर में लगी आग, पेट्रोलियम पदार्थ फेंककर आग लगाने का आरोप

गाजियाबाद : भाजपा नेता मानसिंह गोस्वामी के घर पर बृहस्पतिवार की देर रात अचानक आग लग गई। घटना के वक्त शालीमार गार्डन के डीएलएफ कॉलोनी स्थित घर पर मानसिंह व उनका परिवार मौजूद था। वे भाजपा के पश्चिमी उत्तर प्रदेश इकाई के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष भी हैं। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। वहीं, भाजपा नेता ने घर पर पेट्रोलियम पदार्थ फेंककर आग लगाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। भाजपा नेता ने बताया कि बृहस्पतिवार रात वह परिवार के साथ सो रहे थे। अचानक तेज धमाकों की आवाज आई। जब तक कमरे से निकलकर बाहर पहुंचे, तब तक घर का बाहरी हिस्सा धुआं और आग की लपटों से घिर चुका था। परिवार वालों ने बाहर निकलने का प्रयास किया, लेकिन आग की लपटों से घिरा होने की वजह से मुख्य दरवाजा खुल ही नहीं पाया। इसके बाद पड़ोसी के छज्जे पर कूदकर परिवार वालों को बाहर निकाला तब जाकर जान बची। इस दौरान स्थानीय लोगों ने दमकल विभाग को सूचना दी। दमकल की गाड़ियां जिस समय डीएलएफ कॉलोनी पहुंची, उस समय गली में बहुत सी गाड़ियां खड़ी थीं। इस वजह से दमकल वाहन भाजपा नेता के घर तक नहीं पहुंच सके। गनीमत रही कि आग घर के अंदर नहीं फैली और लोगों के प्रयास से ही बुझा दी गई। भाजपा नेता ने बताया कि कुछ दिन पहले उनके भाई की चार–पांच लोगों से कहासुनी और हाथा पाई हो गई थी। आरोप है कि असामाजिक तत्वों ने ही जानबूझकर आग लगाई है। एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही हैं।

मुर्गी पालन बना आदिवासी महिलाओं के स्वावलंबन का आधार

एजेंसी

झाड़ग्राम/मेदिनीपुर : पश्चिम मेदिनीपुर और झाड़ग्राम जिलों में रोड आइलैंड रेड नस्ल की मुर्गियों का पालन ग्रामीण और आदिवासी महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार बनकर उभरा है। प्रशासनिक सहयोग और बैंक ऋण की सहायता से स्वयं सहायता समूह न केवल अपनी आय बढ़ा रहे हैं, बल्कि क्षेत्र में पोषण और रोजगार के नए अवसर भी सृजित कर रहे हैं। पश्चिम मेदिनीपुर के शालबनी ब्लॉक में भादुतला हाई स्कूल के समीप सुषमा महतो के नेतृत्व में दस महिलाओं ने घर के पास शेड बनाकर मुर्गी फार्म स्थापित किया है। यहां सबिता पात्र, ममता, तृप्ति, मयना और झुम्पा सहित अन्य सदस्याएं नियमित रूप से काम करती हैं। छह माह के भीतर ही फार्म लाभ देने लगा है। यह नस्ल सालाना औसतन 200 से 220 अंडे देती है, जिससे समूह की

आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। समूह की दलनेत्री सबिता पात्र ने बताया कि वर्ष 2007 में ह्यबाबा लोकनाथ महिला स्वयं सहायता समूहह्ल का गठन किया गया था। प्रारंभ में अन्य कार्यों में अपेक्षित सफलता नहीं मिली, लेकिन बाद में मुर्गी पालन ने स्थायी आय का रास्ता दिखाया। सह-दलनेत्री सुषमा महतो के अनुसार, समूह को बैंक से 15 लाख रुपये का ऋण और डेढ़ लाख रुपये की अतिरिक्त सहायता मिली है, जिससे आधारभूत ढांचा तैयार किया गया। अंडों की बाजार में अच्छी मांग है और बिक्री संतोषजनक हो रही है। इसी प्रकार झाड़ग्राम जिले के बिनपुर-दो ब्लॉक और बेलपहाड़ी क्षेत्र में भी पशुपालन विभाग की पहल पर बड़ी संख्या में आदिवासी एवं जनजातीय परिवारों को रोड आइलैंड रेड नस्ल के चूजे वितरित किए गए हैं। वर्ष 2024-25 में लगभग 2 हजार 600 लाभार्थियों को चूजे दिए गए, जबकि चालू वित्त वर्ष में करीब तीन हजार लोगों को मुर्गी एवं बकरी पालन से जोड़ा गया है। यह नस्ल सालाना 150 से 200 अंडे देती है और रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बेहतर मानी जाती है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली : ग्लोबल मार्केट से आज कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान लगातार दूसरे दिन जोरदार गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला–जुला कारोबार होता रहा। इसी तरह एशियाई बाजार में आज बिकवाली का दबाव बना हुआ है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़ी चिताओं की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 108.71 अंक यानी 1.57 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,832.76 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 473.04 अंक यानी 2.05 प्रतिशत टूट कर 22,593.43 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.05 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 49,477.93 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले–जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.67 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,402.44 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

बांग्लादेश में बीएनपी सरकार बनाने को तैयार

एजेंसी

ढाका : बांग्लादेश में गुरुवार को हुए 13वें संसदीय चुनाव में अजेय बढ़त बरकरार रखते हुए बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने आज कहा कि वह सरकार बनाने के लिए तैयार है। बीएनपी मीडिया सेल ने एक्स पर यह दावा किया। पोस्ट में कहा गया कि बीएनपी बहुमत पार कर चुकी है। उसकी सरकार बनेगी। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स में बीएनपी को चुनाव में ऐतिहासिक जीत मिलने का अनुमान है। बांग्लादेश के प्रमुख अखबार प्रोथोम अलो के अनुसार, जातीय संसद की 299 सीटों में से 236 की मतगणना की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। इनमें से बीएनपी और उसके सहयोगियों ने 166, जमात-ए-इस्लामी और उसके सहयोगियों ने 58, इस्लामी आंदोलन बांग्लादेश ने एक, स्वतंत्र और अन्य ने 11 सीट पर जीत दर्ज की है। अब तक नेशनल पार्टी का खाता नहीं खुल सका है। इस बीच बीएनपी अध्यक्ष तारिक रहमान ने समर्थकों, कार्यकताओं और आम जनता से अपील की है कि चुनाव से पहले मां की मौत की वजह से जीत के जश्न को फिलहाल स्थगित कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि आप शुक्रवार की नमाज के बाद उनकी मां (खालिदा जिया) की आत्मा की शांति के लिए दुआ करें। जातीय संसद में सरकार बनाने के लिए 151 सीटों की आवश्यकता होती है। बीएनपी इस जादुई आंकड़े को आसानी से पार कर काफी आगे बढ़ चुकी है। बीएनपी अध्यक्ष तारिक रहमान के अगले प्रधानमंत्री बनने की प्रबल संभावना है। फिलहाल सबको निर्वाचन आयोग के आधिकारिक नतीजों का इंतजार है

पश्चिम मेदिनीपुर में आलू किसानों को नहीं मिल रहा उचित दाम

एजेंसी

पश्चिम मेदिनीपुर : जिले में इस वर्ष आलू की भरपूर पैदावार होने के बावजूद किसानों को उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है। खासकर आलू के अल्पकालिक नस्लों या ह्यपोखराजह्ल किस्म के आलू की खेती करने वाले किसान आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। निर्यात में कमी, कोल्ड स्टोरेज में पुराने स्टॉक की मौजूदगी और बाजार में मांग घटने से हालात गंभीर हो गए हैं। जिले के चंद्रोकोणा क्षेत्र को आलू उत्पादन का प्रमुख केंद्र माना जाता है। यहां के सीतानगर, ढलबांध, फांसिडांगा, पियारडांगा और बाचका गांवों में बड़े पैमाने पर आलू की खेती हुई है। इसके अलावा दांतन, डेबरा, खड़गपुर ग्रामीण, केशपुर और पिंगला क्षेत्रों में भी इस बार आलू की खेती का रकबा बढ़ा है। किसानों के अनुसार बाजार में गुरुवार तक आलू का दाम लगभग 470 रुपये प्रति क्विंटल रहा, जबकि प्रति बीघा 30 से 35 हजार रुपये तक लागत आई है। औसतन 60 क्विंटल उत्पादन के बावजूद कई किसानों को प्रति बीघा चार से आठ हजार रुपये तक का नुकसान उठाना पड़ रहा है। इस संबंध में पश्चिम बंगाल प्रगतिशील आलू व्यवसायी समिति के राज्य सहध्यक्ष मुकुल घोष ने बताया कि वर्ष 2024 में राज्य सरकार द्वारा अन्य राज्यों को आलू निर्यात पर रोक लगाए जाने के बाद से बाजार पर असर पड़ा है।

पाकिस्तान में पीटीआई के पक्ष में विपक्ष का संसद भवन के बाहर धरना आज से

एजेंसी

इस्लामाबाद : पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता और तहरीक तहफ्फुज आईन-ए-पाकिस्तान (टीटीएपी) प्रमुख महमूद खान अचकजई ने घोषणा की है कि विपक्षी पार्टियां आज से संसद भवन के बाहर धरना शुरू करेंगी। अचकजई ने गुरुवार देररात राजधानी इस्लामाबाद में पत्रकारों के समक्ष घोषणा करते हुए कहा कि यह फैसला विपक्षी नेताओं की एक बैठक में लिया गया। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इससे पहले राजधानी में हुई बैठक में आमराय से फैसला

लिया गया कि जब तक जेल में बंद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक और अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान तक पहुंचने की इजाजत नहीं मिल जाती और उनकी पार्टी और परिवार की संतुष्टि के हिसाब से उनका इलाज पक्का नहीं हो जाता, तब तक विरोध जारी रहेगा। अचकजई ने देररात मीडिया से कहा कि धरना-प्रदर्शन संसद भवन के बाहर शांतिपूर्ण रहेगा। उनके साथ मजलिस वहदत-ए-मुसलमीन (एमडब्ल्यूएम) के प्रमुख अल्लामा राजा नासिर अब्बास और पीटीआई के चेयरमैन गौहर अली खान और असद कैसर भी मौजूद रहे। उन्होंने यह भी साफ किया कि विपक्षी गठबंधन की मांगें धरने पर ही सबके सामने रखी जाएंगी। उन्होंने कहा, ₹हम कल (शुक्रवार) धरने पर अपनी मांगें रखेंगे।₹ विपक्ष के नेता ने कहा कि जब तक ये मांगें मान नहीं ली जातीं, धरना अनिश्चितकाल तक जारी रहेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि इस दौरान अगर कुछ भी बुरा घटता है तो उसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी। महमूद खान अचकजई ने कहा कि विरोध शुक्रवार सुबह शांति से शुरू होगा।

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

एजेंसी

नई दिल्ली : घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान गिरावट का रुख बना हुआ है। आज के कारोबार की शुरूआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में कुछ तेजी भी आई। हालांकि थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इन दोनों सूचकांकों की कमजोरी और बढ़ती चली गई। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.99 प्रतिशत और निफ्टी 1.02 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। आज सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से एसबीआई लाइफ

इंश्योरेंस, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी लाइफ, भारती एयरटेल और अपोलो हॉस्पिटल के शेयर 0.84 प्रतिशत से लेकर 0.04 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, इंफोसिस, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, टीसीएस, एचसीएल टेक्नोलॉजी और विप्रो के शेयर 5.77 प्रतिशत से लेकर 3.23 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,660 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 440 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 2,220 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 3 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 27 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 6 शेयर हरे निशान में और 44 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 772.19 अंक की कमजोरी के साथ 82,902.73 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही खरीदारी का सपोर्ट मिलने से यह सूचकांक उछल कर 83,079.70 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की कमजोरी बढ़ती चली गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण पहले आधे घंटे के कारोबार में ही सेंसेक्स गिर कर 82,791.52 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिससे इस सूचकांक की स्थिति में मामूली सुधार होता हुआ नजर आया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 833.12 अंक लुढ़क कर 84,841.80 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 236.05 अंक टूट कर 25,571.15 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलने के बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने से थोड़ी ही देर में यह सूचकांक उछल कर 25,630.35 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली शुरू हो गई, जिससे निफ्टी की कमजोरी बढ़ती गई। बिकवाली के दबाव के कारण पहले आधे घंटे के कारोबार में ही यह सूचकांक 25,525.45 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना कर बाजार को सहारा देने की कोशिश की, जिससे इस सूचकांक की चाल में मामूली सुधार भी हुआ। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद निफ्टी 263.80 अंक की गिरावट के साथ 25,543.40 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

इसके पहले पिछले कारोबारी दिन गुरुवार को सेंसेक्स 558.72 अंक यानी 0.66 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 83,674.92

न्यूज IN ब्रीफ

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अवसर पर देशभर में जागरूकता अभियानों की शुरूआत की

रांची/मेट्रो रेज : होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (ल्टरक) ने देशभर में रोड सेफ्टी को लेकर कई जागरूकता–केंद्रित पहलें आयोजित कीं। इन गतिविधियों के लिए कंपनी ने अपने डीलर नेटवर्क और स्थानीय स्टेकहोल्डर्स के साथ मिलकर सुरक्षित सड़क व्यवहार और ट्रैफिक नियमों की बेहतर समझ को बढ़ावा दिया। पूरे महीने के दौरान, देश के विभिन्न शहरों में सड़क सुरक्षा से जुड़ी जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं, जिनमें 30,000 से अधिक लोगों की भागीदारी रही।राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत अपनी पहलों के हिस्से के रूप में, एचएमएसआई ने जयपुर आइडियल रोड सेफ्टी प्रोजेक्ट भी लॉन्च किया, जो सुरक्षित और जिम्मेदार मोबिलिटी की दिशा में कंपनी के फोकस को दशार्ता है। यह प्रोजेक्ट एक समग्र अप्रोच अपनाता है, जिसमें एजुकेशन, एनफोर्समेंट, इंजीनियरिंग और इमरजेंसी रिस्पॉन्स को स्कूलों, ट्रैफिक पुलिस, स्थानीय प्रशासन और नागरिकों के सहयोग से रोजमर्रा के सामुदायिक जीवन में जोड़ा गया है। इस पहल का फोकस जागरूकता और ट्रेनिंग, बेहतर सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर, चिन्हित जोन्स में सख्त अनुपालन और क्रिटिकल लोकेशंस के विश्लेषण पर है। फर्स्ट रिस्पॉन्डर्स की बेहतर तैयारी के जरिए यह पहल दुर्घटनाओं को कम करने और जीवन बचाने का लक्ष्य रखती है, साथ ही एक अधिक जिम्मेदार, तैयार और सेफ्टी–कोंशियस समुदाय का निर्माण करती है, जो देशभर के शहरों के लिए एक मॉडल बन सकता है।रोड सेफ्टी रैली, समिट, हेलमेट वितरण, मासिक सड़क सुरक्षा अभियान और अन्य एंगेजमेंट गतिविधियों सहित सभी जागरूकता कार्यक्रमों का फोकस ट्रैफिक नियमों, राइडर की जिम्मेदारी और प्रोटेक्टिव राइडिंग प्रैक्टिसेज की अहमियत को लेकर प्रैक्टिकल लर्निंग पर रहा। इन पहलों का उद्देश्य स्थानीय स्तर पर रोड सेफ्टी संदेश को आगे बढ़ाना था, ताकि समुदाय की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। इस दौरान राइडिंग बिहेवियर और ट्रैफिक नियमों की समझ को लेकर चर्चा की गई, जिसमें ट्रैफिक रेगुलेशंस के सख्त पालन पर विशेष जोर दिया गया।

फ्लेक्सी कैप फंड्स' बने पहली पसंद: बाजार में उथल-पुथल के बीच रांची के निवेशकों का भरोसा

रांची/मेट्रो रेज : वैश्विक संकेतों में बदलाव और बाजार की अस्थिरता के बीच फ्लेक्सी कैप फंड्स रिटेल निवेशकों के लिए सबसे भरोसेमंद विकल्प बन गए हैं। निवेशक अब ऐसे फंड्स को तरजीह दे रहे हैं जो विकास के साथ जोखिम को संतुलित करने में मदद करते हैं।एएमएफआई के आंकड़ों के मुताबिक, 2025 में फ्लेक्सी कैप फंड्स में रिकॉर्ड 80,978 करोड़ रुपये की नेट इनफ्लो रही। यह स्मॉल–कैप (52,321 करोड़ रुपये) और मिड–कैप (49,939 करोड़ रुपये) फंड्स की तुलना में दोगुना है। दिसंबर 2025 में अकेले महीने में 10,019.27 करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जो पिछले महीने से 23 प्रतिशत अधिक है।टाटा फ्लेक्सी कैप फंड की एसेट्स अंडर मैनेजमेंट 31 दिसंबर 2025 तक लगभग 3,700 करोड़ रुपये पहुंच गई, जो 27.5 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दशार्ती है। रांची में जनवरी 2026 में कुल बिक्री 1,46,26,279 रुपए रही, जो पिछले साल की तुलना में 134 प्रतिशत अधिक है। टाटा एसेट मैनेजमेंट के सीआईओ (इक्विटीज) राहुल सिंह का कहना है, 'बाजार हमेशा एक जैसा नहीं रहता। फ्लेक्सी कैप रणनीति हमें बाजार के बदलते हालातों के हिसाब से चलने की आजादी देती है। जब जरूरत होती है, तो हम छोटे लेकिन महंगे शेयरों से निकलकर बड़ी और सुरक्षित कंपनियों में निवेश कर लेते हैं।'फंड की वर्सेटाइल रणनीति छोटे, मिड और लार्ज–कैप में निवेश कर बाजार चक्रों के अनुसार जोखिम और अवसर का संतुलन बनाती है। एसआईपी के माध्यम से निवेशक निवेश लागत औसत कर सकते हैं।

ओल्ड ब्रिज म्यूचुअल फंड ने ओल्ड ब्रिज फ्लेक्सी कैप फंड लॉन्च किया, इक्विटी पोर्टफोलियो का विस्तार

रांची/मेट्रो रेज : ओल्ड ब्रिज म्यूचुअल फंड ने आज ओल्ड ब्रिज फ्लेक्सी कैप फंड के लॉन्च की घोषणा की। यह एक ओपन–एंडेड डायनामिक इक्विटी स्कीम है, जो लार्ज–कैप, मिड–कैप और स्मॉल–कैप शेयरों में निवेश करती है और निवेशकों को एक ही विविध पोर्टफोलियो के माध्यम से बाजार चक्रों में लचीलापन प्रदान करती है। ओल्ड ब्रिज फ्लेक्सी कैप फंड का न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) 13 फरवरी 2026 को खुलेगा और 23 फरवरी 2026 को बंद होगा। यह स्कीम 10 प्रति यूनिट के शुरूआती मूल्य पर उपलब्ध होगी। इसमें न्यूनतम निवेश राशि एकमुश्त निवेश के लिए 5,000 और रक्क के लिए 1,000 निर्धारित की गई है।यह फंड बॉटम–अप, बिजनेस–बाय–बिजनेस निवेश दृष्टिकोण अपनाता है, जिसमें पूंजी आवंटन बाजार पूंजीकरण के यांत्रिक विभाजन के बजाय व्यवसाय की गुणवत्ता और विकास की दीघार्यु पर आधारित होता है। यह रणनीति बदलती जोखिम–रिटर्न स्थितियों और बाजार चक्रों के आधार पर विभिन्न बाजार सेगमेंट्स में निवेश को गतिशील रूप से समायोजित करने की सुविधा देती है।ओल्ड ब्रिज फ्लेक्सी कैप फंड का प्रबंधन केनेथ एंड्रेडे करेंगे, जो ओल्ड ब्रिज एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक और मुख्य निवेश अधिकारी (सीआईओ) हैं। उन्हें भारतीय पूंजी बाजारों में 34 से अधिक वर्षों का अनुभव और पोर्टफोलियो प्रबंधन व निवेश अनुसंधान में मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड प्राप्त है।लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, केनेथ एंड्रेडे, सीआईओ, ओल्ड ब्रिज एसेट मैनेजमेंट ने कहा, बाजार चक्र लगातार बदलते रहते हैं और अतीत के विजेता आवश्यक नहीं कि भविष्य में भी विजेता बने रहें। फ्लेक्सी–कैप दृष्टिकोण हमें लार्ज–कैप की स्थिरता, मिड–कैप की अल्फा क्षमता और स्मॉल–कैप के अवसरों को एक साथ जोड़ने की अनुमति देता है, साथ ही वैल्यूएशन, बैलेंस शीट की मजबूती और पूंजी संरक्षण पर अनुशासन बनाए रखता है। हमारा उद्देश्य टिकाऊ व्यवसायों में निवेश करना और समय के साथ कंपाउंडिंग को विकसित होने देना है।

भारत में सैमसंग के अगले एआई स्मार्टफोन का प्री-रिजर्वेशन शुरू

रांची/मेट्रो रेज : देश की प्रमुख कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी सैमसंग ने अपने अगले एआई स्मार्टफोन के लिए भारत में प्री–रिजर्वेशन की घोषणा कर दी है। इस नई गैलेक्सी S सीरीज स्मार्टफोन को 25 फरवरी को सैन फ्रांसिस्को में आयोजित गैलेक्सी अनपैक्ड कार्यक्रम में पेश किया जाएगा। ग्राहक 999 रुपये की रिफंडेबल टोकन राशि देकर नए गैलेक्सी S सीरीज डिवाइस को प्री–रिजर्व कर सकते हैं। प्री–रिजर्वेशन Samsung.com, सैमसंग एक्सक्लूसिव स्टोर्स, Amazon.in, Flipkart.com और देशभर के प्रमुख रिटेल आउटलेट्स पर उपलब्ध है। प्री–रिजर्व करने वाले ग्राहकों को नए गैलेक्सी S सीरीज डिवाइस की खरीद पर 2,699 रुपये तक के विशेष लाभ मिलेंगे।कंपनी के अनुसार, नई गैलेक्सी S सीरीज को इस तरह तैयार किया गया है कि रोजमर्रा के काम आसान हों, यूजर का आत्मविश्वास बढ़े और गैलेक्सी एआई फीचर्स शुरू से ही सहज और स्वाभाविक अनुभव दें।

बिहार में पछुआ हवा की वजह से मौसम में उतार -चढ़ाव बना रहेगा

पटना : बिहार में पछुआ हवा के कारण मौसम शुष्क होने के साथ तापमान में उतार–चढ़ाव की स्थिति बनी रहेगी। मौसम विज्ञान केंद्र पटना के अनुसार अगले 24 घंटे के दौरान कुछ स्थानों पर झोंके के साथ हवा चलने की संभावना है। सुबह–शाम हल्के स्तर का कोहरा छाए रहने का पूवार्नुमान है। गुरुवार को पटना सहित आसपास इलाकों में मौसम शुष्क बने होने के साथ धूप के कारण तापमान में वृद्धि दर्ज की गई। पटना सहित 20 जिलों के अधिकतम तापमान में वृद्धि दर्ज की गई। पटना का अधिकतम तापमान 27.0 डिग्री सेल्सियस रहा। कैमूर 30.2 डिग्री सेल्सियस के साथ सर्वाधिक तापमान दर्ज किया गया। 9.7 डिग्री सेल्सियस के साथ किशनगंज सबसे ठंडा स्थान रहा। जबकि, पटना का न्यूनतम तापमान 14.8 डिग्री सेल्सियस 15 वर्षों के दौरान सबसे अधिक दर्ज किया गया। पूर्णिया में सबसे कम दृश्यता दर्ज की गई।

शिमला में पकड़ी चरस की खेप, एक गिरफ्तार

शिमला : शिमला जिला के देहा थाना क्षेत्र में पुलिस ने नशा तस्करी के एक मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को भारी मात्रा में चरस के साथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई। पुलिस के अनुसार गुरूवार की रात विशेष सेल के एएसआई सुशील कुमार अपनी टीम के साथ बलग बाजार में गश्त पर थे। इसी दौरान उन्हें एक विश्वसनीय स्रोत से सूचना मिली कि नीली पैंट और चेकदार ऊपरी कपड़े पहने एक व्यक्ति नैना कैंची सड़क पर किसी का इंतजार कर रहा है और उसके पास एक बैग में भारी मात्रा में चरस है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और बताए गए हुलिये के आधार पर एक व्यक्ति को सड़क किनारे बैग के साथ खड़ा पाया। पुलिस ने संदेह के आधार पर बैग की तलाशी ली, जिसमें से एक किलो 115 ग्राम चरस बरामद हुई। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया।

न्यूज IN ब्रीफ

आईएएस अधिकारी मनोज कुमार ने उत्तरी छोटानागपुर के आयुक्त के रूप में पदभार ग्रहण किया

बिनय मिश्रा : भारतीय प्रशासनिक सेवा 2007 बैच के लोकप्रिय, कर्मठ और बेहतर एवं उत्कृष्ट कार्यों के लिए पहचाने जाने वाले आईएएस अधिकारी मनोज कुमार ने आयुक्त के रूप में अपना पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने के पश्चात उन्होनें बातचीत के क्रम में बताया कि इस प्रमंडल में विकास कार्यों को भरपूर गति दी जाएगी। इस प्रमंडल अधीन सभी जिला में विकास कार्य समुचित ढंग से हो जनअपेक्षा और विकास कार्यों का बेहतर समन्वय बने यह उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। गौरतलब हो कि श्री कुमार इससे पूर्व कोल्हान के आयुक्त रह चुके हैं तथा कोल्हान विश्व विद्यालय के कुलपति भी। लंबी कार्य दक्षता और अनुभव विकास कार्यों के लिए हमेशा उत्कृष्ट रहा है। श्री कुमार इससे पूर्व बोकारो के उपायुक्त, धनबाद के नगर आयुक्त भी रह चुके हैं।

महिला विश्वविद्यालय में स्नातक पांचवें सेमेस्टर की परीक्षा 24 मार्च से

जमशेदपुर : जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय ने स्नातक पांचवें सेमेस्टर की एक्स-रेगुलर परीक्षाओं का समय-सारणी जारी किया है। ये परीक्षाएं 24 मार्च 2026 से शुरू होकर 1 अप्रैल 2026 तक चलेंगी। छात्रों को परीक्षा केंद्र पर 09:45 बजे रिपोर्ट करना अनिवार्य है और एडमिट कार्ड लाना जरूरी है।

महिला विश्वविद्यालय में स्नातक पांचवें सेमेस्टर की परीक्षा 24 मार्च से जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग ने स्नातक पांचवें सेमेस्टर की एक्स-रेगुलर परीक्षाओं के लिए आधिकारिक समय-सारणी जारी कर दी है। ये परीक्षाएं 24 मार्च 2026 से शुरू होकर 1 अप्रैल 2026 तक संचालित की जाएंगी। परीक्षा का आयोजन पहली पाली में सुबह 10:30 बजे से दोपहर 01:30 बजे तक किया जाएगा, जिसके लिए छात्राओं को सुबह 09:45 बजे परीक्षा केंद्र पर रिपोर्ट करना अनिवार्य है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि छात्राओं को प्रत्येक परीक्षा के दिन अपना एडमिट कार्ड साथ लाना होगा, अन्यथा उन्हें परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

गांजा बेचने के आरोपी को कोर्ट से मिली जमानत

जमशेदपुर : मानगो उलीडीह में 225 ग्राम गांजे के साथ गिरफ्तार दो आरोपियों की जमानत अर्जी अदालत द्वारा मंजूर की गई। मनोज दास और विशाल मंडल को 13 दिसंबर को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। जमानत प्राप्त करने के बाद दोनों आरोपी जेल से रिहा हो गए।

मानगो उलीडीह से 225 ग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार दो आरोपियों की जमानत अर्जी प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश की अदालत से मंजूर हो गई। अधिवक्ता विद्या सिंह ने बताया कि मनोज दास और विशाल मंडल को पुलिस ने 13 दिसंबर को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। इधर, अदालत में जमानत पत्र भरने के बाद दोनों आरोपी जेल से रहा हो गए। अधिवक्ता के अनुसार पुलिस ने केस में गांजा जैसा पदार्थ बरामद होने का दावा किया था। जिसका लाभ आरोपियों को मिला है।

मां-बेटी के खाते से 1.05 लाख रुपए की हुई ठगी

धनबाद : धनबाद में एक मां-बेटी के दो बैंक खातों से साइबर ठग ने एक लाख पांच हजार रुपए की ठगी की। श्वेता कुमारी ने बताया कि उनकी बेटी के मोबाइल पर एक लिंक आया, जिस पर क्लिक करने से उनके खाते से पैसे निकले। उन्होंने बैंक में शिकायत दर्ज कराई।

धनबाद, मुख्य संवाददाता धनबाद थाना क्षेत्र के हिल कॉलोनी में रहने वाली मां-बेटी के दो बैंक खातों से साइबर ठग ने एक लाख पांच हजार रुपए की ठगी कर ली। मामले की शिकायत श्वेता कुमारी ने गुरुवार को सदर थाना में की है। पुलिस को दिए आवेदन में श्वेता ने बताया कि सात फरवरी को दोपहर 3 ।36 बजे उनकी पुत्री श्रुति कुमारी के मोबाइल पर एक लिंक आया। लिंक पर पुत्री ने गलती से क्लिक कर दिया। इसके बाद उनके बैंक खाते से 20 हजार रुपए और उनकी पुत्री के बैंक एकाउंट से यूपीआई के माध्यम से 85 हजार रुपए की निकासी हो गई।

होली के बाद चलेंगी धनबाद से दिल्ली, मुंबई व चंडीगढ़ की स्पेशल ट्रेनें

धनबाद : धनबाद से दिल्ली, चंडीगढ़ और मुंबई की स्पेशल ट्रेनों का संचालन होली के बाद फिर से शुरू होगा। रेलवे बोर्ड ने दिसंबर तक इन ट्रेनों के चलने की अधिसूचना जारी की है। धनबाद से गोरखपुर के बीच भी सितंबर से दिसंबर तक स्पेशल ट्रेन चलेगी। ट्रेनों में स्लीपर और थ्री इकोनॉमी बोगियां जोड़ी जाएंगी।

होली के बाद चलेंगी धनबाद से दिल्ली, मुंबई व चंडीगढ़ की स्पेशल ट्रेनें : धनबाद, मुख्य संवाददाता होली के बाद धनबाद से दिल्ली, चंडीगढ़ और मुंबई की स्पेशल ट्रेनें दोबारा पटरी पर लौटेंगी। गुरुवार को रेलवे बोर्ड ने तीनों स्पेशल ट्रेनों को एक साथ दिसंबर तक चलाने की अधिसूचना जारी की। इसी तरह धनबाद से गोरखपुर के बीच इसी साल सितंबर से दिसंबर के बीच भी स्पेशल ट्रेन चलेगी। इसकी भी अभी ही घोषणा कर दी गई है। चारों ट्रेनें धनबाद से विशेष ट्रेन के रूप में चल रही थीं। इन्हें जनवरी मध्य में बंद किया गया था। रेलवे ने 03309 धनबाद-दिल्ली स्पेशल को सात मार्च से 29 दिसंबर तक हर मंगलवार और शनिवार और 03310 दिल्ली-धनबाद स्पेशल को आठ मार्च से 30 दिसंबर तक हर बुधवार और रविवार तथा 03311 धनबाद-चंडीगढ़ स्पेशल को छह मार्च से 29 दिसंबर तक हर मंगलवार और शुक्रवार और 03312 चंडीगढ़-धनबाद स्पेशल को आठ मार्च से 30 दिसंबर तक हर गुरुवार और रविवार चलाने की घोषणा की है।

इसी तरह 03379 धनबाद-एलटीटी स्पेशल 10 मार्च से 29 दिसंबर तक हर मंगलवार व 03380 एलटीटी-धनबाद स्पेशल 12 मार्च से 30 दिसंबर के बीच हर गुरुवार को चलेगी। दिल्ली व चंडीगढ़ स्पेशल में जुड़ेंगी स्लीपर व थ्री इकोनॉमी दिल्ली और चंडीगढ़ के बीच स्पेशल ट्रेन पुराने रूट और समय पर चलेगी। स्टॉपेज भी वही रहेंगे। सिर्फ ट्रेन के संरचना में बदलाव किया गया है।

जगन्नाथपुर प्रखंड और साप्ताहिक हाट में जस्टिस ऑन व्हील्स ने किया कानूनी जानकारी का प्रचार

प्राधिकार के द्वारा दी जा रही है निशुल्क विधिक सेवायें

बिनय मिश्रा

चाईबासा : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा के तत्वावधान में जिला एवं प्रधान सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, चाईबासा मोहम्मद शाकिर के मार्गदर्शन तथा प्राधिकार के सचिव रवि चौधरी के नेतृत्व में मोबाइल वाहन ह्लजस्टिस ऑन व्हील्सह्व के माध्यम से जगन्नाथपुर प्रखंड कार्यालय परिसर एवं साप्ताहिक हाट क्षेत्र में विधिक जागरूकता अभियान संचालित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ जगन्नाथपुर प्रखंड कार्यालय परिसर से किया गया, जहाँ अंचल पदाधिकारी, जगन्नाथपुर द्वारा मोबाइल वाहन जस्टिस ऑन व्हील्स के द्वारा सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई, इसके पश्चात वैन जगन्नाथपुर साप्ताहिक हाट भी पहुँची, जहाँ आमजनों को लोक अदालत, विवादों के समाधान में मध्यस्थता के लाभ और प्राधिकार के द्वारा प्रदत्त निःशुल्क विधिक

सहायता संबंधी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

अभियान के दौरान कुल 12 आवेदनों को प्राप्त कर विधिवत डायरी में संधारित किया गया। मोबाइल वाहन में उपस्थित अधिवक्ता श्री अनीश अहमद द्वारा जरूरतमंद व्यक्तियों को आवश्यक विधिक परामर्श प्रदान किया गया। इस अभियान को सफल बनाने में पीएलवी उमर सादिक, लक्ष्मी सिंकू, प्रमिला पात्रा एवं मदन किशोर निषाद की सक्रिय एवं सराहनीय भूमिका रही।ज्ञात हो कि जिले के विभिन्न सुदूर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में प्राधिकार द्वारा ह्लजस्टिस ऑन व्हील्सह्व के माध्यम से न्याय संबंधी सेवाओं को जन-जन तक पहुँचाने का सतत एवं सार्थक प्रयास किया जा रहा है।

स्कॉर्पियो चोरों का पदार्फाश, गैंग के मास्टरमाइंड समेत 6 अपराधी गिरफ्तार

संवाददाता

हजारीबाग : पुलिस ने स्कॉर्पियो कार चुराने वाले छह गाड़ी चोरों को गिरफ्तार किया है। ये चोर खास तौर पर स्कॉर्पियो कार चुराते थे और उनका इस्तेमाल बिहार में शराब की तस्करी के लिए करते थे। हजारीबाग पुलिस ने पूरे गैंग को गिरफ्तार कर एक चोरी की स्कॉर्पियो भी बरामद की है।

हजारीबाग एसपी अंजनी अंजन ने स्कॉर्पियो कार चोरी की जांच के लिए एक एसआईटी गठित की थी। टीम ने कार्रवाई करते हुए छह गाड़ी चोरों को गिरफ्तार किया, जिन्होंने हजारीबाग में 10 स्कॉर्पियो कार चुराई थीं। हजारीबाग एसपी को सूचना मिली कि लोहसिंघना थाना इलाके में बिहार रजिस्ट्रेशन प्लेट वाली एक सफेद गाड़ी पुलिस पेट्रोल गाड़ी को टक्कर मारने और फिर इंद्रपुरी चौक पर एक बैरियर को टक्कर मारने के बाद तेजी से भाग रही है।

गैंग के मास्टरमाइंड समेत 6 अपराधी गिरफ्तार (ए३५ ईं१३)

इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए एसडीपीओ अमित आनंद के नेतृत्व में छापेमारी की गई। पुलिस ने पेलावल गोडखर मोड़ के पास गाड़ी को जब्त कर लिया, जहां कुल छह लोग अंदर मिले। पूछताछ करने पर, सभी ने चार पहिया वाहन चुराकर बिहार में शराब माफिया को देने की बात कबूल की। इन चोरी की गाड़ियों का इस्तेमाल करके अवैध शराब का धंधा किया जाता था।

गिरफ्तार आरोपियों में विकास कुमार, यशराब अली उर्फ अशरफ अली उर्फ पप्पू खान उर्फ गुरु जी, विवेक कुमार, जितेंद्र कुमार मेहता, मोहम्मद जॉनी उर्फ चौहान और शेखराज शामिल हैं।

विकास कुमार पर तीन केस, यशराब अली पर दस केस, विवेक कुमार पर सात केस, जितेंद्र कुमार पर तीन केस और मोहम्मद जॉनी पर झारखंड और बिहार के अलग-अलग थानों में एक केस दर्ज है।

इस पूरे गैंग का मास्टरमाइंड यशराब अली उर्फ अशरफ अली उर्फ पप्पू खान उर्फ गुरु जी है। पूछताछ में उसने बताया कि उसने हजारीबाग के अलग-अलग थानों से नौ और रामगढ़ थाना इलाके से एक चार पहिया गाड़ी चोरी की है। पुलिस सभी गाड़ियों को रिकवर करने की कोशिश कर रही है ताकि उन्हें चोरी करने वाले को लौटाया जा सके।

चतरा के एसपी कामयाबी और अपराध नियंत्रण के लिए पहचाने जाते हैं

निधि पाठक

चतरा : भारतीय पुलिस सेवा 2019 बैच के लोकप्रिय और सफलतम पुलिस अधीक्षक की बात चलती है तो चतरा के एसपी सुमित अग्रवाल का नाम स्वतः जुबान पर चला आता है।

श्री अग्रवाल कभी नक्सल प्रभावित क्षेत्र के रूप में पहचाने जाने वाले इस जिला में श्री अग्रवाल ने नक्सलियों की खोज खबर ली और उन्हें बैकफुट पर भेजा।

28 मई 2005 को 32 वें एसपी के रूप में योगदान देने वाले श्री अग्रवाल 9 माह में ही अपने बेहतर कार्य से पुलिस और आम लोगों के बीच मजबूत कड़ी बनने के साथ साथ जिला वासियों का पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ाने में सफल रहे हैं। जिला के सभी थानों में लंबित मामलों का निष्पादन एवं अपराध नियंत्रण साथ ही साथ उत्कृष्ट कार्य दक्षता इनकी बेहतर कार्य प्रणाली मानी जाती है। श्री अग्रवाल आम लोगों के लिए सहज और सरल हैं तो अपराधियों के लिए खौफ। पुलिस लोगों की सुरक्षा और मदद के लिए है अपराधी या अपराध से संबंधित कोई जानकारी हो तो लोग निर्भीक होकर इसकी जानकारी पुलिस को दें पुलिस उनकी पहचान गोपनीय रखेगी।

पलामू में पकड़ी गई 70 लाख की अवैध शराब, तीन तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता

पलामू: बिहार-झारखंड पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। निकाय चुनाव को ध्यान में रखते हुए अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है। दोनों राज्यों की पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में पलामू के मेदिनीनगर टाउन थाना क्षेत्र से 850 पेटी अवैध शराब जब्त की गई है। पुलिस ने इस मामले में तीन लोगों को हिरासत में लिया है, जिसमें एक आरोपी बिहार के छपरा जबकि दो हरियाणा के रहने वाले हैं। पुलिस सभी से पूछताछ कर रही है।दरअसल, बिहार और झारखंड पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ पलामू में जाल बिछाया था। इस ट्रैप में मेदिनीनगर टाउन थाना की पुलिस भी शामिल थी। मेदिनीनगर टाउन थाना क्षेत्र के सद्दीक मंजिल चौक पर एक ट्रक को रोका गया। ट्रक में कोयला पाउडर के अंदर शराब की पेटियों को छुपाकर

रखा गया था।हिरासत में लेने के बाद आरोपियों ने पुलिस को बताया कि पंजाब के मोहाली में शराब को ट्रक पर लोड किया गया था। बाद में ट्रक को करनाल, चित्रकूट और छत्तीसगढ़ होते हुए झारखंड के पलामू लाया गया था। पलामू के डाल्टनगंज में शराब की खेप की डिलीवरी होने वाली थी। पुलिस के मुताबिक, जब्त की गई शराब कीमत लगभग 70 लाख रुपए आंकी गई है। हिरासत में लिए गए तस्करों ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि शराब की खेप पहुंचाने के लिए उन्हें तीन लाख रुपए मिले थे।

एलएलबी पांचवें सेमेस्टर की परीक्षा 12 मार्च से

जमशेदपुर : कोल्हान विश्वविद्यालय ने एलएलबी पांचवें सेमेस्टर (सत्र 2022-2025) की परीक्षा के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी की है। परीक्षाएं 12 मार्च 2026 से 7 अप्रैल 2026 तक होंगी। परीक्षा का समय सुबह 10:00 से 01:00 बजे तक है। छात्रों को 09:30 बजे तक परीक्षा केंद्र पर उपस्थित होना है।

एलएलबी पांचवें सेमेस्टर की परीक्षा 12 मार्च से कोल्हान विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग ने एलएलबी पांचवें सेमेस्टर (सत्र 2022-2025) की आगामी परीक्षा के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी है। विश्वविद्यालय द्वारा घोषित समय-सारणी के अनुसार, परीक्षाएं 12 मार्च 2026 से शुरू होकर 7 अप्रैल 2026 तक संचालित की जाएंगी। परीक्षा का समय सुबह 10:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक निर्धारित किया गया है, जबकि परीक्षार्थियों को सुबह 09:30 बजे तक केंद्र पर उपस्थिति दर्ज कराने का निर्देश दिया गया है। परीक्षा की शुरूआत 'लॉ ऑफ एविडेंस' विषय के साथ होगी और समापन 'मूट कोर्ट एंड ट्रायल' के साथ होगा। जमशेदपुर स्थित जमशेदपुर को-ऑपरेटिव लॉ कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए परीक्षा केंद्र मिसेज केएमपीएम वोकेशनल कॉलेज, जमशेदपुर को बनाया गया है।विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा का संचालन बिहार परीक्षा संचालन अधिनियम 1981 और माननीय पटना उच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों के तहत पूरी सख्ती से किया जाएगा। अनुचित साधनों का प्रयोग या अनुशासनहीनता पाए जाने पर शून्य अंक देने और निष्कासन जैसी कड़ी कार्रवाई की जा सकती है।

रामगढ़ के पतरातू में अवैध कब्जा पर चला प्रशासन का बुलडोजर

जियाडा की जमीन कराई गई खाली

संवाददाता

रामगढ़ : जिले के पतरातू प्रखंड अंतर्गत हेसला पंचायत स्थित टाइप-2 क्वार्टरों में वर्षों से अवैध रूप से रह रहे लोगों को प्रशासन ने आज बड़ी कार्रवाई करते हुए हटा दिया। यह भूमि पूर्व में पीटीपीएस की थी, जिसे हस्तांतरित कर झारखंड औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार (जियाडा), रांची को सौंप दी गई है।

भूमि हस्तांतरण के बाद से ही स्थानीय स्तर पर विरोध जारी था और वहां रह रहे लोगों ने हाईकोर्ट में याचिका भी दायर की थी। हालांकि झारखंड उच्च न्यायालय ने 13 जनवरी 2026 को मामले में आदेश पारित करते हुए जियाडा के पक्ष में निर्णय दिया था।

कोर्ट के आदेश के बाद 12 फरवरी को जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। रामगढ़ एसडीएम अनुराग तिवारी, पतरातू बीडीओ, अंचलाधिकारी की अगुआई में भारी संख्या में पुलिस बल और दंडाधिकारियों की मौजूदगी में अतिक्रमण

हटाने की कार्रवाई की गई। जेसीबी मशीन की मदद से अवैध कब्जे वाले क्वार्टरों को खाली कराया गया। इस दौरान पूरे इलाके में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे, मौके पर भारी संख्या में पुलिस जवानों की तैनाती की गई थी। कई थानों की पुलिस और मजिस्ट्रेट तैनात थे, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो।

शुरूआती दौर में रह रहे लोगों ने विरोध जताया, लेकिन हाईकोर्ट के आदेश के बाद सभी लोग स्वतः क्वार्टर को खाली करने लगे, लेकिन सबकी आंखों में दर्द दिख रहा था। स्थानीय लोगों ने बताया कि दो-तीन पीढ़ियों से यहां रह रहे थे। अचानक आज सैकड़ों की संख्या में सुबह पुलिस फोर्स पहुंची और मजिस्ट्रेट के साथ बुलडोजर को घर के दरवाजे के सामने खड़ा कर दिया गया। सामान निकालना का भी मौका नहीं दिया जा रहा है।

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए बड़कागांव विधायक रोशनलाल चौधरी मौके पर पहुंचे और अधिकारियों से बात की। उन्होंने अधिकारियों से लोगों समय देने की मांग की, लेकिन अधिकारियों ने कोर्ट का हवाला दिया। विधायक ने कहा कि उन्होंने पूरे मामले को लेकर मुख्य सचिव और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलने के लिए गए थे। हालांकि उन्होंने भी कहा कि यह न्यायालय का आदेश है।

रामगढ़ अनुमंडल पदाधिकारी अनुराग तिवारी ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर यह कार्रवाई की जा रही है। 96 जर्जर भवनों में रह रहे लोगों से भवनों को खाली कराया जा रहा है। मौजा हेसला, उचरिंगा एवं कटिया में जियाडा को हस्तांतरित भूमि पर स्थित क्वार्टरों को अतिक्रमण मुक्त कराने का निर्देश प्राप्त हुआ था। उक्त भूमि को ह्यएन्कम्ब्रेंस फ्रीह्न करने के लिए प्रशासन ने यह कार्रवाई की। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जियाडा की भूमि या क्वार्टरों पर अवैध रूप से रह रहे अन्य लोगों को भी चिन्हित कर कार्रवाई की जाएगी।